▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 203 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 19-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 इस्कॉन मानवता की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा : अमित शाह

6 शिवाजी महाराज : एक अजेय योद्धा और आदर्श सुशासन के प्रणेता

7 शिवांगी वर्मा ने पर्दे पर निभाया विधवा का चुनौतीपूर्ण किरदार

फर्स्ट टेक

मानव मस्तिष्क अभी भी सर्वोपरि : नारायण मूर्ति

नई दिल्ली/भाषा। इंफोसिस के संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने बुधवार को संकेत दिया कि बार-बार किए जाने वाले दावों के बावजूद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शायद कभी मानव मस्तिष्क की जगह नहीं ले पाएगी। नारायणमूर्ति ने दिल्ली विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान में कहा, मानव मस्तिष्क से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। आधिकारिक बयान के अनुसार, 'लीडर्स टॉक' नामक यह संवाद 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' (एसओयूएल) के सहयोग से वाइसरीगल लॉज सभागार में आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, मूर्ति ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को खतरे के बजाय वरदान बताया और युवाओं के लिए कौशल विकास व सीखने की क्षमता के महत्व पर जोर दिया।

फ्रांस के अभियोजकों ने एप्स्टीन से जुड़े दो मामलों की जांच शुरू की

पेरिस/एपी। फ्रांस के अभियोजकों ने यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से जुड़े संभावित यौन शोषण अपराधों और वित्तीय अनियमितताओं की दो नयी जांच बुधवार को शुरू की और संभावित पीड़ितों से आगे आने का आह्वान किया। पेरिस की अभियोजक लॉरेंस बेकुआ ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन द्वारा जारी की गई फाइल, मीडिया की खबरों और दर्ज की जा रही नयी शिकायतों के आधार पर जांच की जा रही है। बेकुआ ने 'फ्रांस इन्फो न्यूज' प्रसारक से कहा, वह सारा डेटा...कुछ अन्य चीजों पर प्रकाश डालेगा जिससे एक अच्छी तरह से सूचित, व्यापक, समग्र दृष्टिकोण बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एक जांच यौन शोषण के अपराधों पर केंद्रित होगी, जबकि दूसरी वित्तीय कदाचार पर, और दोनों में विशेष मजिस्ट्रेट शामिल होंगे।

ईडी ने मलयालम अभिनेता जयसूर्या की 39 लाख रुपए की संपत्ति कुर्क की

कोच्चि/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले की जांच के तहत मलयालम अभिनेता जयसूर्या की 39 लाख रुपए मूल्य की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने अभिनेता और उनकी पत्नी से 'सेव बॉक्स' नामक एक 'ऑनलाइन बोली' ऐप्लीकेशन के जरिए कुछ लोगों से कथित ठगी किए जाने के मामले में दिसंबर 2025 में पूछताछ की थी। बताया जा रहा है कि स्वाति रहीम नामक एक व्यक्ति ने यह कथित निवेश योजना चलाई।

19-02-2026 सूर्यास्त 6:15 बजे | 20-02-2026 सूर्योदय 6:29 बजे

BSE	NSE
83,734.25	25,819.35
(+283.29)	(+93.95)

सोना	चांदी
15,878 रु.	248,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मौकापरस्त राजनीति

कब किसका कैसे लगे दाँव,
इस तिकड़म में शामिल समस्त।
ना वादों का कोई मतलब,
लालच में सारे किले ध्वस्त।
जय लोकतंत्र की बलिहारी,
जिसमें नेतागण सदा मस्त।
सत्तागामी है राजनीति,
जिसमें सारे मौकापरस्त।।

भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विशाखापत्तनम में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा के दौरान कहा कि भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह सतर्क रहने के साथ-साथ व्यापक समुद्री वाणिज्य गतिविधियों की स्थिरता में भी योगदान दे रही है।

बंगाल की खाड़ी में भारतीय नौसेना के युद्धपोत पर सवार होकर विशाखापत्तनम तट पर अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू.... आईएफआर) की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय नौसेना समुद्र में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों और खतरों के खिलाफ रक्षा और प्रतिरोध के एक विश्वसनीय साधन के रूप में क्षेत्र में तैनात है। मुर्मू ने कहा, भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क है और व्यापक समुद्री वाणिज्यिक गतिविधियों की स्थिरता में योगदान दे रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय नौसेना दुनिया भर की नौसेनाओं के साथ सद्भावना को बढ़ावा देने और विश्वास, भरोसे व दोस्ती का सेतु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

राष्ट्रपति के अनुसार, विशाखापत्तनम का समुद्री इतिहास गौरवशाली रहा है। उन्होंने कहा कि आज का आयोजन विशाखापत्तनम के निरंतर नौसैनिक महत्व को रेखांकित करता है।

भारतीय नौसेना की पूर्वी नौसेना कमान (ईएनसी) का मुख्यालय विशाखापत्तनम में स्थित है।

भारत और उसके मित्र देशों की नौसेनाओं के युद्धपोतों के प्रभावशाली बेड़े और नौसैनिकों के प्रदर्शन को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें बधाई दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि आईएफआर समुद्री परंपराओं के प्रति राष्ट्रों के बीच एकता, विश्वास और सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के जहाज और अलग-अलग देशों के नाविक एकजुटता की भावना का प्रदर्शन करते हैं।

मुर्मू ने समुद्रों के साथ भारत के संबंधों पर कहा कि यह संबंध सदियों पुराने, गहरे और स्थायी हैं। उन्होंने महासागरों को भारत के लिए वाणिज्य, संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मार्ग बताया।

राष्ट्रपति ने कटक में 'कार्तिक पूर्णिमा' से शुरू होने वाले सप्ताह के दौरान उत्साहपूर्वक मनाए जाने वाले 'बाली यात्रा' उत्सव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह त्योहार वर्तमान ओडिशा के प्राचीन नाविकों के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह उत्सव प्राचीन कलिंग काल से विभिन्न उद्देश्यों के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया की नियमित समुद्री यात्राओं की परंपरा को परिलक्षित करता है।

स्थोत्सव

शिवरात्रि जात्रे के तहत आयोजित रथोत्सव ने बुधवार को चामराजनगर जिले के एमएम हिल्स में श्रद्धालुओं को आकर्षित किया।

भागवत ने पश्चिमी देशों पर लगाया 'जड़वाद' फैलाने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

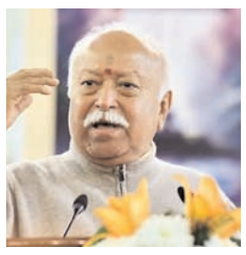

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने पश्चिमी देशों पर ''जड़वाद'' फैलाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि इन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और जो भी बाधक बने उसे मिटा दो, और आज यही काम अमेरिका और चीन कर रहे हैं। भागवत ने यह भी कहा कि भारत को अगर 'विश्व गुरु' बनना है तो उसे सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनना होगा।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, भागवत ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित शोधार्थी संवाद कार्यक्रम में कहा कि वर्तमान में वैश्वीकरण का मतलब बाजारीकरण से है, जो खतरनाक है। उन्होंने कहा, ''पश्चिमी देशों ने जड़वाद फैलाया। उन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और बाकी को छोड़ दो, जो बाधक बने उन्हें मिटा दो। यही काम आज अमेरिका और चीन कर रहे हैं।''

भागवत ने कहा कि आज दुनिया भर की समस्याओं का जवाब भारत के पास है, मगर यदि उसे विश्व गुरु बनना है तो सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनना होगा, क्योंकि दुनिया तभी मानती है जब सत्य के पीछे शक्ति हो।

संघ प्रमुख ने शिक्षा और स्वास्थ्य के व्यवसायीकरण का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य मूलभूत आवश्यकताएं है और यह व्यवसाय नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सबके लिए सुलभ होने चाहिए।

भागवत ने अंग्रेजों पर भारत की शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम के लोगों ने भारत की शिक्षा व्यवस्था हटाकर अपनी व्यवस्था थोपी, जिससे उन्हें काम करने के लिए ''काले अंग्रेज'' मिल जाएं। उन्होंने कहा, ''अंग्रेजों ने जो बिगाड़ा उसको ठीक करना होगा।''

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''संघ का कार्य देश को परम वैभव सम्पन्न बनाना है और संघ को समझना है तो संघ के अंदर आकर कर देखें, क्योंकि संघ को पढ़ कर नहीं समझा जा सकता।'' उन्होंने कहा, ''संघ को सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने वाला एक ही काम करना है। संघ किसी के विरोध में नहीं है। संघ को लोकप्रियता, प्रभाव और शक्ति नहीं चाहिए।''

नेपाल और भारत ने परस्पर कानूनी सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए

काठमांडू/भाषा। नेपाल और भारत ने आपराधिक जांच और कानूनी कार्यवाही में सहयोग करने के लिए परस्पर कानूनी सहायता पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। नेपाल के कानून और न्याय मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विधि, न्याय और संसदीय मामलों के मंत्रालय में आयोजित एक समारोह के दौरान मंगलवार को 'आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता पर समझौता' पर हस्ताक्षर किए गए। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह समझौता दोनों देशों को आपराधिक जांच और कानूनी कार्यवाही में सहयोग करने में सक्षम बनाएगा। इसका उद्देश्य आपराधिक मामलों से संबंधित जांच, अभियोजन और न्यायिक प्रक्रियाओं में सहयोग को मजबूत करना है। मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आपराधिक मामलों में कानूनी सहायता के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना है, जिसमें साक्ष्य संग्रह, सूचना साझाकरण और जांच तथा अदालती कार्यवाही के दौरान सक्षम अधिकारियों के बीच समन्वय शामिल है।

राज्यसभा की 37 सीट के लिए 16 मार्च को होंगे द्विवार्षिक चुनाव

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा की 37 सीट पर 16 मार्च को होने वाले द्विवार्षिक चुनाव में भाजपा की स्थिति मजबूत रहने की संभावना है क्योंकि जिन 10 राज्यों में ये सीट रिक्त हो रही हैं, उनमें से छह में पार्टी की सरकार है या वह सत्तारूढ़ गठबंधन में साझेदार है। कुल 37 सीट दो और नौ अप्रैल को रिक्त होने वाली हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जिन राज्यों में ये सीट रिक्त हो रही हैं उनमें महाराष्ट्र (सात सीट), ओडिशा (चार), तेलंगाना (दो), तमिलनाडु (छह), छत्तीसगढ़ (दो), पश्चिम बंगाल (पांच), असम (तीन), हरियाणा (दो), हिमाचल प्रदेश (एक) और बिहार (पांच) शामिल हैं। चुनाव के लिए अधिसूचनाएं 26 फरवरी को जारी की जाएंगी। स्थापित परंपरा के अनुसार, 16 मार्च को मतदान सुबह नौ बजे से शाम चार बजे के बीच होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना की जाएगी। महाराष्ट्र, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और असम में भाजपा की सरकारें हैं या वह सत्तारूढ़ गठबंधन में साझेदार है।

चीनी रोबोट को खुद का बताने वाले

गलगोटिया विश्वविद्यालय को एआई समिट से बाहर किया गया

नई दिल्ली/भाषा। निजी विश्वविद्यालय गलगोटिया को 'एआई इम्पैक्ट समिट' में अपना स्टॉल खाली करने के लिए कहा गया है। चीन में निर्मित एक 'रोबोटिक डॉग' को अपने स्वयं के नवाचार के तौर पर प्रदर्शित करने को लेकर हुए विवाद के बाद उसे प्रदर्शनी से हटने को कहा गया है।

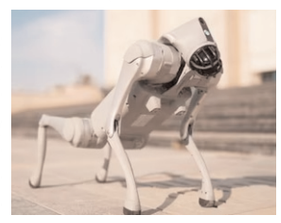

सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने विवाद के बाद कहा कि सरकार नहीं चाहती कि कोई भी प्रदर्शक ऐसी वस्तुओं का प्रदर्शित करे जो उसकी अपनी न हों।

आयोजकों द्वारा गलगोटिया विश्वविद्यालय को अपना 'स्टॉल' खाली करने के लिए कहे जाने के बाद उन्होंने कहा, ''हम इस तरह की चीजों को प्रदर्शित करना जारी नहीं रखना चाहते।''

यह विवाद तब शुरू हुआ जब विश्वविद्यालय में संचार की प्रोफेसर नेहा सिंह ने मंगलवार को डीडी न्यूज को 'ओरियन' नामक एक 'रोबोटिक डॉग' को दिखाते हुए कहा था कि इसे '' गलगोटिया विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस द्वारा विकसित किया गया है।''

वीडियो के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लोगों ने इस रोबोट के वास्तव में एक 'यूनिट्री गो2' होने की बात कही जिसे चीन की यूनिट्री रोबोटिक्स द्वारा निर्मित किया गया है। इसका इस्तेमाल आमतौर पर दुनिया भर में अनुसंधान एवं शिक्षा के लिए किया जाता है।

विवाद अधिक बढ़ने पर विश्वविद्यालय को स्टॉल खाली करने के लिए कहा गया है।

आलोचनाओं का सामना करते हुए, गलगोटिया और प्रोफेसर नेहा सिंह दोनों ने बुधवार को कहा कि रोबोट, विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित नहीं है और संस्थान ने ऐसा दावा कभी नहीं किया है।

बांग्लादेश की नई सरकार ने कहा,

'भीड़ संस्कृति' को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की नयी सरकार ने बुधवार को कहा कि भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसा और अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले बढ़ने को ध्यान में रखते हुए ''भीड़ संस्कृति'' को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नव गठित सरकार में सबसे वरिष्ठ मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि कानून व्यवस्था का मुद्दा तीन प्राथमिकताओं में से एक है और प्रशासन ''भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसा'' पर नकेल कसने के लिए कदम उठाएगा।

उनसे जब संवाददाताओं ने पूछा कि क्या नया प्रशासन इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाएगा, तो उन्होंने कहा, ''बिल्कुल।'' आलमगीर बीएनपी महासचिव भी हैं और उन्हें स्थानीय शासन मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। उन्होंने कहा, ''इस (भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसा) पर नकेल कसा जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''कानून व्यवस्था की स्थिति चाहे कितनी भी बिगड़ गई हो, हमें उसमें सुधार लाने का प्रयास करना होगा।''

प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने बुधवार को अपने नवगठित मंत्रिमंडल की पहली बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने, कानून व्यवस्था बनाए रखने और आपूर्ति शृंखलाओं को स्थिर करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए 180 दिनों की प्राथमिकता योजना निर्धारित की गई।

बैठक के बाद, गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने और निर्बाध बिजली व ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ कानून व्यवस्था बहाल करने को प्राथमिकता बताया।

अहमद ने संवाददाताओं से कहा कि हिंसा को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बांग्लादेश में हाल के महीनों में भीड़ द्वारा पीटकर हत्या करने के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें से अधिकांश में मोहम्मद यूनुस नीत अंतरिम सरकार के दौरान हिंदू समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाया गया था।

एआई के व्यावहारिक उपयोगों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है भारत : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारत, कृत्रिम मेधा (एआई) के व्यावहारिक उपयोगों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जिसमें उद्यमों की उत्पादकता बढ़ाना तथा स्वास्थ्य, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन जैसी जनसंख्या से जुड़ी चुनौतियों के समाधान शामिल हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के तहत एक शोध संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मंत्री ने एआई प्रदर्शनी में मंगलवार को युवाओं की मजबूत भागीदारी और उनमें दिखे उत्साह को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में करीब ढाई लाख लोगों ने हिस्सा लिया जिनमें अधिकतर की उम्र 30 वर्ष से कम थी। वैष्णव ने कहा, जब मैंने युवाओं से बात की तो जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

मैं इस बात से हैरान था कि अधिकतर युवाओं ने अपने लिए आ रहे इस अवसर को लेकर कितना सकारात्मक नजरिया अपनाया है।''

मंत्री ने कहा कि उन्हें भारत और दुनिया के लिए एक बिल्कुल नए भविष्य की उम्मीद दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा, भारत में हम सीमांत स्तर पर कृत्रिम मेधा, व्यावहारिक उपयोगों के लिए एआई, वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए एआई, उद्यमों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एआई और स्वास्थ्य, कृषि एवं जलवायु परिवर्तन जैसी जनसंख्या से जुड़ी समस्याओं पर खास ध्यान दे रहे हैं। भारत में यही हमारी प्राथमिकता है और यह सम्मेलन ऐसे ही अवसर प्रदान करता है।''

भारत का व्यापार ढांचा मजबूत : सीतारमण

नई दिल्ली/ओस्लो/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को भारत के विस्तार लेते व्यापार ढांचे पर जोर देते हुए कहा कि देश व्यापार, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक निवेश के लिए एक टिकाऊ ढांचा प्रदान करता है।

ओस्लो में नॉर्वे के प्रमुख मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक में सीतारमण ने कहा कि उनकी आधिकारिक यात्रा के दौरान निवेश गंतव्य और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत पर सकारात्मक चर्चा हुई है।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए), यूरोपीय संघ (ईयू), ब्रिटेन और अमेरिका के साथ समझौतों सहित भारत के विस्तार लेते व्यापार ढांचे के आलोक में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने उन परिस्थितियों पर प्रकाश डाला जो व्यापार, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक निवेश के लिए एक टिकाऊ ढांचा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 नागरिकों और कंपनियों के लिए नियामकीय तथा अनुपालन बोझ को कम करने पर सरकार के सुधार केंद्रित रुख को पुख्ता करता है।

मंत्रालय के अनुसार, बैठक में शामिल प्रतिनिधियों ने भारत के अनुमानित नीतिगत और व्यापक आर्थिक वातावरण की सराहना की।

बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा, कार्बन कैप्चर, दुर्लभ खनिज और वित्तीय सेवाओं सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर विचार-विमर्श किया गया।

आनंद

बुधवार को केरल के कोच्चि के निकट पेरुंबवूर स्थित पनमकुझी इकोटूरिज्म सेंटर में पेरियार नदी पर पर्यटक पारंपरिक कटोरे के आकार की नाव कोरकल की सवारी का आनंद लेते हुए।

भारत एआई में असाधारण सफर की ओर अग्रसर, हम इसमें भागीदार बनने को प्रतिबद्ध : पिचाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने बुधवार को कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में एक 'असाधारण सफर' पर अग्रसर है और कंपनी देश के इस एआई बदलाव में भागीदार बनने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पिचाई ने कहा, ''एआई हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा बदलाव है।'' उन्होंने स्वास्थ्य जांच में सुधार से लेकर किसानों को वास्तविक समय में जानकारी व चेतावनी देने जैसी बड़ी चुनौतियों का व्यापक स्तर पर समाधान करने की इसकी क्षमता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत की विविधता, भाषाई परिवेश और मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा इसे नवाचार के लिए एक शक्तिशाली आधार और वैश्विक स्तर पर एआई के लोकतंत्रीकरण के लिए एक ठोस खाका बनाता है।

पिचाई ने इस बात पर जोर दिया कि एआई को अपनाते समय विश्वास, सुरक्षा और समावेशन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''एआई को विभिन्न भाषाओं और स्थानीय संदर्भों में काम करना चाहिए। इसे ऐसे वास्तविक लाभ प्रदान करने चाहिए जिन पर लोग भरोसा कर सकें। विश्वास तब बढ़ता है जब प्रौद्योगिकी पारदर्शी, जिम्मेदार और ठोस परिणामों पर आधारित होती है।''

गूगल सीईओ ने 'इंडिया-अमेरिका कनेक्ट इनिशिएटिव' की भी घोषणा की। यह अमेरिका, भारत और दक्षिणी गोलार्ध के कई स्थानों के बीच एआई संपर्क बढ़ाने के लिए समुद्र के नीचे नए केबल मार्ग बिछाने की एक परियोजना है।

पिचाई ने भारत में 15 अरब डॉलर के एआई केंद्र की पूर्व घोषणा का भी जिक्र किया, जिसमें गीगावाट-स्केल कंप्यूट और एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री केबल मार्ग होगा। इससे देश में रोजगार और उन्नत एआई बुनियादी ढांचा विकसित होगा। उन्होंने विद्यार्थियों और शुरुआती करियर वाले पेशेवरों के लिए अंग्रेजी और हिंदी में 'गूगल एआई पेशेवर प्रमाणपत्र कार्यक्रम' सहित महत्वाकांक्षी कौशल कार्यक्रमों का भी अनावरण किया।

मोदी ने स्पेन, फिनलैंड के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की, भारत-ईयू समझौते को स्वर्णिम युग की शुरुआत कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज और फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो के साथ अलग-अलग बैठकें कीं तथा कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते ने भारत-यूरोप संबंधों में एक ''स्वर्णिम युग की शुरुआत'' की है।

मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति सांचेज के साथ उनकी एक सार्थक बैठक हुई और खासकर रक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत-स्पेन मित्रता को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दोनों देश (भारत और स्पेन) 2026 को भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इससे दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध और मजबूत होंगे। विश्वविद्यालयों के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल को भारत आते देखकर खुशी हुई। इससे भी दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क स्थापित करने में काफी मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा, ''यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) स्पेन के साथ आर्थिक साझेदारी पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा और दोनों देशों के लोगों को नए अवसर प्रदान करेगा।''

भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। राष्ट्रपति सांचेज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उन्होंने स्पेन और भारत के बीच शानदार संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसे दोनों नेता और मजबूत करना जारी रखेंगे।

सांचेज ने 'एक्स' पर स्पेनिश भाषा में एक पोस्ट में कहा, ''मैंने उन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर सम्मेलन के आयोजन के लिए बधाई दी। हम दोनों इस बात से सहमत हैं कि मानव-केंद्रित एआई की दिशा में कदम बढ़ाते रहना आवश्यक है।''

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति सांचेज ने द्विपक्षीय वार्ता की तथा भारत-स्पेन संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की, जिनमें व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचा, जलवायु और नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा, अंतरिक्ष, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आदान-प्रदान शामिल हैं।

उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग में सकारात्मक गति का स्वागत किया और वडोदरा में सी-295 परिवहन विमान के निर्माण के लिए टाटा-एयरबस सहयोग में हुई प्रगति पर खुशी व्यक्त की, जिसका उद्घाटन दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में संयुक्त रूप से किया था।

पंजाब के बठिंडा में किसानों का प्रदर्शन हुआ हिंसक, सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस के गोले दागे

बठिंडा/पटियाला/भाषा। पंजाब के बठिंडा में, पिछले साल गिरफ्तार किए गए दो किसानों की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर कथित पथराव के बाद पुलिस ने किसानों के प्रदर्शनकारी समूह को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन कर रहे कई किसानों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय किसान संघ (एकता उगराहां) के बैनर तले किसान जियोंद गांव में एकत्र हुए और बठिंडा जिला प्रशासनिक परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को बठिंडा जिला प्रशासनिक परिसर की ओर बढ़ने से रोकने के लिए बठिंडा और आसपास के जिलों में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

'हेट स्पीच' को रोकने के लिए कानून बनाया जाए : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने नफरत भरे भाषण की कुछ हालिया घटनाओं का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि देश में 'हेट स्पीच' रोकने के लिए एक कानून बनाने की जरूरत है। पार्टी प्रवक्ता रागिनी नायक बसोया ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से जुड़े एक विवादित वीडियो का उल्लेख किया और यह दावा भी किया कि पिछले दिनों यहां भारत मंडपम में 'सनातन संस्था' नामक संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नफरत भरे भाषण दिए गए थे तथा उस कार्यक्रम में केंद्र के कुछ मंत्री और भाजपा के कई नेता शामिल थे।

रागिनी ने संवाददाताओं से कहा, ''चौंकाने वाली बात यह है कि मोदी सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने 63 लाख रुपया इस सांप्रदायिक संगठन को दिया है।'' उनके इस आरोप पर फिलहाल संस्कृति मंत्रालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हाल ही में मलेशिया गए थे, जहां उनका स्वागत रामायण पर आधारित शो से किया गया, ये भारत की धर्मनिरपेक्षता की ताकत है। लेकिन इसी धर्मनिरपेक्ष भारत में भाजपा का एक मुख्यमंत्री मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलता है और सरकार उसे आगे बढ़ाती है।''

पंजाब में एक शादी समारोह में 'आप' के सरपंच की गोली मारकर हत्या

अमृतसर/भाषा। पंजाब के तरन तारन जिले में बुधवार को एक शादी समारोह के दौरान अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के एक सरपंच की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना अमृतसर जिले के वल्टोहा गांव के एक अन्य सरपंच एवं आम आदमी पार्टी के नेता झरमल सिंह की एक शादी समारोह के दौरान गोली मारकर हत्या किए जाने के लगभग एक माह बाद हुई है। ठठियां महंतां गांव के सरपंच हरपिंदर सिंह एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे तभी तीन हथियारबंद लोगों ने उन पर करीब से गोलियां चला दीं। ग्रामीणों ने बताया कि सिंह सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के सक्रिय सदस्य एवं पंजाब के कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के करीबी सहयोगी थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हमले में एके-47 राइफल का इस्तेमाल किया गया था और घटनास्थल से दो कारतूस बरामद किए गए। सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावरों का पीछा करने की कोशिश में उनका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हत्या की यह वारदात ऐसे समय में हुई है जब सरकार अपने अभियान गैंग्स्टरां ते वार दूसरे चरण के तहत गैंगस्टर के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित की गई हैं।

पुणे में अवैध रूप से रह रही 11 बांग्लादेशी महिलाएं हिरासत में

पुणे/भाषा। पुलिस ने शहर में अवैध रूप से रह रही 11 बांग्लादेशी महिलाओं को बुधवार को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इन महिलाओं के पास से फर्जी आधार कार्ड और अन्य आवासीय दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

पुलिस उपायुक्त ऋषिकेश रावले ने कहा कि एक सूचना के आधार पर शहर के बुधवार पेठ (रेड लाइट इलाका) में तलाशी अभियान चलाया गया। रावले ने कहा, हमने 22 महिलाओं को हिरासत में लिया है। इनमें से 11 महिलाएं बांग्लादेशी नागरिक हैं। ये महिलाएं पिछले कुछ महीनों से शहर में अवैध रूप से रह रही थीं। रावले ने कहा कि मामले की जांच जारी है

भाजपा सरकार ने एआई समिट को 'चाइना बाजार' में तब्दील कर दिया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 में एक निजी विश्वविद्यालय द्वारा चीन में निर्मित 'रोबोटिक कुत्ते' को प्रदर्शित किए जाने का हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को 'चाइना बाजार' में तब्दील कर दिया गया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत की प्रतिभा और डेटा का उपयोग करने के बजाय, एआई शिखर सम्मेलन अव्यवस्थित तरीके से पीआर का तमाशा बन गया है। भारतीय डेटा बिक्री के लिए उपलब्ध है और चीनी उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।'' कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' अश्विनी वैष्णव ने साबित कर दिया है कि भारत में एआई का मतलब है ''अश्विनी इन्कॉम्पिटेंट''।'' उन्होंने दावा किया, ''भाजपा ने इसे सस्ते चाइना बाजार में तब्दील कर दिया।'' कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल पर पोस्ट किया, मोदी सरकार ने देश की छवि को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है, उन्होंने एआई को मजाक बनाकर रख दिया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम अपनी डेटा शक्ति को देखते हुए विश्व के अगुवा बन सकते हैं।''

महाराष्ट्र में टीपू सुल्तान के नाम पर स्थानों का नामकरण अस्वीकार्य : मंत्री नितेश राणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितेश राणे ने कहा है कि राज्य में टीपू सुल्तान के नाम पर सार्वजनिक चौराहों का नामकरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे नामों वाले स्थान ''पाकिस्तान में बनाए जाने चाहिए''।

राणे की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल छत्रपति शिवाजी महाराज और 18वीं शताब्दी के मैसूर शासक टीपू सुल्तान को ''समकक्ष'' बताने के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। सपकाल ने मंगलवार को अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगते हुए कहा कि उनका इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। हालांकि, उन्होंने दोहराया कि भाजपा के एक दुर्भावनापूर्ण एजेंडे के तहत सामाजिक तनाव पैदा करने के लिए उनकी टिप्पणियों को ''जानबूझकर तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया''। ठाणे के मीरा-भयंदर और अन्य शहरों में टीपू सुल्तान के नाम पर बने सार्वजनिक चौराहों के बारे में पूछे जाने पर राणे ने मंगलवार को कहा, ''जहां कहीं भी ऐसे चौराहे हैं, हम उन्हें हटा देंगे। टीपू के नाम पर चौराहे पाकिस्तान और इस्लामाबाद में बनाए जाने चाहिए।''

राणे ने यहां पत्रकारों से कहा, ''हम अपने हिंदू राष्ट्र में इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेंगे और हम चुप नहीं रहेंगे।'' उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह के चौराहों को बनाए रखने या बनाने के किसी भी प्रयास का विरोध किया जाएगा।

मनोज सिन्हा ने कटरा में शंकराचार्य मंदिर, देवी संग्रहालय समेत कई बड़े फैसलों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कटरा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की बुधवार को घोषणा की, जिनमें आदि शंकराचार्य के एक मंदिर का निर्माण और देवियों के एक अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय की स्थापना शामिल है।

सिन्हा ने बताया कि कई सुविधाओं की शुरुआत पहले ही की जा चुकी हैं और तीन महीने के भीतर कटरा से शिवखोड़ी गुफा मंदिर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि सिन्हा ने शंकरचार्य मंदिर की आधारशिला रखी, जिसकी परिकल्पना सर्वप्रथम 1967 में की गई थी। विभिन्न आधुनिक सुविधाओं से लैस इस मंदिर को उपराज्यपाल के नेतृत्व में एक और बड़ी परियोजना के रूप में बनाया जा रहा है। भारत के प्रमुख देवी तीर्थ स्थलों की प्रतिकृतियों वाला देवी संग्रहालय भी रियासी जिले में माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटरा में बनाने का प्रस्ताव है। समारोह के दौरान सिन्हा ने कहा कि आदि शंकराचार्य ने देशव्यापी यात्रा की और चार मठों की स्थापना की। उपराज्यपाल ने कहा, ''उन्होंने जम्मू कश्मीर की भी यात्रा की। कश्मीर के श्रीनगर में स्थित शंकराचार्य के मंदिर में सैकड़ों तीर्थयात्री दर्शन के लिए आते हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जिला प्रशासन और स्थानीय निवासियों ने मिलकर आदि शंकराचार्य के एक भव्य मंदिर के निर्माण का निर्णय लिया है। स्थानीय देवी-देवता के लिए भी एक मंदिर बनाया जाएगा।'' सिन्हा ने कहा कि सड़क संपर्क को मजबूत किया जाएगा और श्राइन बोर्ड निवासियों की आजीविका में सहयोग के लिए 50 दुकानें बनाएगा।

गुजरात सरकार ने पेश किया 4.08 लाख करोड़ रुपए का बजट, खेलों के लिए बुनियादी ढांचे पर जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 4.08 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें पर्यटन और 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेल बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। करीब 974 करोड़ रुपए के अधिशेष वाले इस बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है और इलेक्ट्रिक वाहन के लिए पांच प्रतिशत कर छूट को जारी रखा गया है।

देसाई ने बताया कि कुल परिव्यय पिछले वर्ष की तुलना में 10.2 प्रतिशत बढ़कर 4,08,053 करोड़ रुपए हो गया है। बजट की एक मुख्य घोषणा अहमदाबाद को 'ओलंपिक के लिए तैयार शहर' के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना है। हालांकि, इससे पहले 2030 में गुजरात राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा।

मंत्री ने आगामी खेलों के बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल परिसरों और शहरी संपर्क के लिए 1,278 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा। खेल विभाग के कुल 1,331 करोड़ रुपए के प्रावधान में से 500 करोड़ रुपए अहमदाबाद और एसवीपी स्पोर्ट्स एन्क्लेव के विकास के लिए निर्धारित किए गए हैं। विभिन्न जिलों में खेल परिसरों के विकास के लिए 165 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। कराई में ओलंपिक स्तर के ढांचे और गांधीनगर में पैरा हाई परफॉर्मेंस सेंटर के लिए 100-100 करोड़ रुपए तथा हॉकी स्टेडियम के लिए 90 करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं। वर्ष 2026 को 'गुजरात पर्यटन वर्ष' घोषित करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य का लक्ष्य वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता हासिल करना है।

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 236 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। अंबाजी के समग्र विकास के लिए 'गलियारा व्यापक विकास योजना' को 300 करोड़ रुपए और सोमनाथ-अंबाजी में बस स्टेशन व परिवहन केंद्र के लिए 447 करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं।

अफवाहों के कारण महिला शोधार्थी को 'बच्चा चोर' बताकर सरेआम पीटा गया

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में 30 वर्षीय महिला शोधार्थी को 'बच्चा चोर' बताकर सरेआम पीटते हुए अपमानित करने के आरोप में पुलिस ने लोगों के समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। महिला शोधार्थी की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। घटना ऐसे वक्त सामने आई है, जब शहर में बच्चा चुराने वाले गिरोहों के सक्रिय होने की अफवाहें जोर पकड़ रही हैं और पुलिस इन्हें खारिज कर रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया पीड़ित महिला एक स्थानीय महाविद्यालय में शोधार्थी है और उसे लोगों के एक समूह ने एमआईजी थाना क्षेत्र में बच्चा चोर बताकर सरेआम पीटा और अपमानित किया। इस समूह में शामिल दो महिलाओं और उनके तीन पुरुष साथियों के खिलाफ संबद्ध प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

माइक्रोसॉफ्ट एआई पहुंच बढ़ाने को दशक के अंत तक 50 अरब डॉलर निवेश करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने विकसित देशों के मुकाबले 'वैश्विक दक्षिण' के देशों में कृत्रिम मेधा (एआई) की पहुंच आधी होने का जिक्र करते हुए बुधवार को कहा कि वह दशक के अंत तक इस फासले को दूर करने के लिए 50 अरब डॉलर का निवेश करने की राह पर है। माइक्रोसॉफ्ट की वाइस चेयर एवं अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ और उपाध्यक्ष एवं एआई प्रभारी नताशा क्रैम्पटन ने यहां आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन' में इस निवेश योजना की घोषणा करते हुए कहा कि 'वैश्विक उत्तर' (विकसित देश) और 'वैश्विक दक्षिण' (विकासशील देश) के बीच 'एआई खाई' पैदा होने से आर्थिक असमानताएं और गहरी हो सकती हैं।

माइक्रोसॉफ्ट की नवीनतम 'एआई डिफ्यूजन रिपोर्ट' के मुताबिक, एआई का असमान उपयोग विकासशील क्षेत्रों में आर्थिक वृद्धि और अवसरों को सीमित कर सकता है। कंपनी ने कहा, ''दशक के अंत तक 50 अरब डॉलर का यह निवेश पांच स्तंभों- बुनियादी ढांचा, कौशल विकास, बहुभाषी एआई, स्थानीय नवाचार और एआई अपनाने के मापन पर केंद्रित कार्यक्रम के तहत किया जाएगा।'' कंपनी ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में उसने वैश्विक दक्षिण को सेवाएं देने वाले डेटा सेंटर अवसंरचना में आठ अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया जिसमें भारत, मेक्सिको तथा अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम एशिया के देश शामिल हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने 25 करोड़ वंचित लोगों तक इंटरनेट पहुंच बढ़ाने का लक्ष्य रखा है जिनमें 10 करोड़ अफ्रीका में हैं। कंपनी साझेदारियों के जरिये अफ्रीका में 11.7 करोड़ लोगों तक पहले ही पहुंच बना चुकी है। कौशल विकास के तहत कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में क्लाउड, एआई और डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर दो अरब डॉलर से अधिक खर्च किए।

'माइक्रोसॉफ्ट एलिवेट' पहल के तहत 2028 तक दो करोड़ लोगों को एआई प्रमाणन दिलाने का लक्ष्य है। भारत में 2025 में 56 लाख लोगों को प्रशिक्षित करने के बाद 2030 तक दो करोड़ भारतीयों को एआई कौशल से लैस करने का लक्ष्य रखा गया है। सम्मेलन में 'एलिवेट फॉर एजुकेटर्स' कार्यक्रम की भी घोषणा की गई जिसके तहत दो लाख से अधिक संस्थानों के 20 लाख शिक्षकों की एआई क्षमता सुदृढ़ करने और 80 लाख छात्रों तक पहुंच बढ़ाने की योजना है।

कंपनी ने कहा कि भाषाई अवरोध एआई के प्रसार में बड़ी बाधा है लिहाजा बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक एआई प्रणालियों में निवेश बढ़ाया जा रहा है। साथ ही भारतीय संस्थानों के साथ मिलकर सामुदायिक-आधारित एआई मूल्यांकन उपकरण भी विकसित किए जा रहे हैं।

डेवलपर पारिस्थितिकी तंत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि भारत का 2.4 करोड़ डेवलपर का समुदाय 'गिटहब' पर दूसरा सबसे बड़ा और शीर्ष 30 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ने वाला है। इसकी वार्षिक वृद्धि दर 2020 से ही 26 प्रतिशत से अधिक है।

अमेरिका से उच्च गुणवत्ता वाला कोकिंग कोयला लेने का इच्छुक है भारत : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत कच्चे तेल और इस्पात उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कोकिंग कोयले के आयात स्रोतों में विविधता लाना चाहता है और उसे अमेरिका से उच्च गुणवत्ता वाला कोकिंग कोयला लेने में 'खुशी' होगी।

गोयल ने कहा, हम कच्चे तेल के अपने स्रोतों में विविधता लाना चाहते हैं। मसलन, कोकिंग कोयले के स्रोत में भी विविधता लाना चाहते हैं। कोकिंग कोयले के लिए दो-तीन भौगोलिक क्षेत्रों पर निर्भरता है और इसकी कीमतों में उतार-चढ़ाव होता रहता है। मैं चाहूंगा कि उच्च गुणवत्ता वाला अमेरिकी कोकिंग कोयला भारत आए। गोयल ने कहा कि अमेरिका कुछ ऐसे उत्पाद उपलब्ध करा सकता है जिनकी भारत को आर्थिक वृद्धि के लिए तत्काल जरूरत है। इनमें कृत्रिम मेधा (एआई) अनुप्रयोगों के लिए ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू), डेटा सेंटर उपकरण और उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटिंग सिस्टम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे कई उत्पाद बना सकता है जिनमें अमेरिका प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता है जबकि अमेरिका प्रौद्योगिकी एवं पूंजी का मजबूत स्रोत बन सकता है।

वाणिज्य मंत्री ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 100 अरब डॉलर मूल्य के विमानों की मांग पहले से मौजूद है लेकिन स्थानीय क्षमता बढ़ाने एवं हवाई किराया कम करने के लिए और विमानों के खरीद की जरूरत होगी।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर बनी सहमति के तहत भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान खरीदने की मंशा जताई है।

इस समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह अमेरिका जाएगा। इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने की संभावना है।

स्टालिन ने संविधान में संशोधन का प्रस्ताव दिया, कहा-

संघवाद का संरचनात्मक पुनर्गठन जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्र में संघवाद और राज्यों की स्वायत्तता को मजबूत करने के लिए संविधान में संशोधन का बुधवार को प्रस्ताव रखा और देश के संघवाद का ''संरचनात्मक रूप से पुनर्गठन'' किए जाने का आह्वान किया।

स्टालिन ने तमिलनाडु विधानसभा में केंद्र-राज्य संबंधों पर न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ समिति की रिपोर्ट का पहला भाग प्रस्तुत करते हुए कहा कि संघवाद विश्वास और स्वायत्तता पर आधारित होता है। राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, ''भारत के संघवाद को संरचनात्मक रूप से पुनर्व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। यदि हम चाहें तो संविधान में पुनः संशोधन कर सकते हैं। सार्थक संघवाद नियंत्रण के बारे में नहीं बल्कि विश्वास, स्वायत्तता और लोगों की वास्तविकताओं के अनुरूप शासन के बारे में है।''

उन्होंने कहा कि द्रमुक के संस्थापक एवं दिवंगत मुख्यमंत्री सी एन अन्नादुरई ने 1967 में कहा था कि भारत की संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने के लिए (भारत) संघ का वास्तव में पर्याप्त रूप से मजबूत होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने राज्यों के लिए स्वायत्तता और केंद्र में ''संघवाद'' के सिद्धांत के माध्यम से इस दर्शन को आगे बढ़ाया और 1969 में न्यायमूर्ति पी.वी. राजमन्नार के नेतृत्व में केंद्र-राज्य संबंधों पर पहली स्वतंत्र समिति की स्थापना की।

स्टालिन ने कहा कि द्रमुक राज्यों में स्वायत्तता और केंद्र में संघवाद की नीति का पालन करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारें अब भी केंद्र से अधिकार प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रही हैं और हर चीज के लिए केंद्र सरकार पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा, ''हम कब तक ऐसी स्थिति में रहेंगे?...'' उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट बिल्ली के गले में ''घंटी बांधने'' जैसी है।

स्टालिन ने कहा, ''आज के दिन हम संविधान में संशोधन की पहल करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य सरकारों को सभी आवश्यक शक्तियां प्राप्त हों।'' उन्होंने तर्क दिया कि देश तभी समृद्ध होगा जब राज्य विकसित हों और केंद्र तथा राज्य दोनों (शासन में) ''साझेदार'' हों, न कि ''प्रतिस्पर्धी''। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की स्वायत्तता ही दमन के विरुद्ध ''एकमात्र उपाय'' होगी। उन्होंने कहा कि ''पिछले 76 वर्ष में भारतीय संविधान में 106 बार संशोधन किया जा चुका है, यदि हम चाहें तो भारतीय संविधान में फिर से संशोधन कर सकते हैं।''

केंद्र-राज्य संबंधों पर न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ समिति ने 16 फरवरी को मुख्यमंत्री को अपनी पहली रिपोर्ट सौंपी। समिति का गठन 15 अप्रैल, 2025 को किया गया था। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति ने समकालीन संघीय चुनौतियों की विस्तृत समीक्षा की तथा संवैधानिक ढांचे के भीतर संघीय संतुलन को बहाल करने और वास्तविक सहकारी संघवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से ठोस एवं कार्रवाई योग्य'' सिफारिशें प्रस्तुत कीं। अंग्रेजी और तमिल में प्रस्तुत पहले भाग में 10 अध्याय हैं तथा इतने ही अध्यायों वाले दो अन्य भाग तैयार किए जा रहे हैं।

यह पहल संघ-राज्य संबंधों की राष्ट्रीय स्तर की चौथी प्रमुख समीक्षा है और तमिलनाडु द्वारा की गई दूसरी समीक्षा है। तमिलनाडु इससे पहले राजमन्नार समिति (1969 से 1971) के माध्यम से इस चर्चा का नेतृत्व कर चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सरकारिया आयोग (1983 से 1988) और पुंछी आयोग (2007 से 2010) ने केंद्र-राज्य संबंधों की पड़ताल की और महत्वपूर्ण सिफारिशें कीं। उन्होंने कहा, इसके बावजूद कोई प्रगति नहीं हुई है। भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, चेन्नई के पूर्व कुलपति के. अशोक वर्धन शेट्टी और तमिलनाडु योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष एम. नागनाथन समिति के सदस्य हैं।

कांचीपुरम में 17 वां जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे राज्यपाल आरएन रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय का एमवाई भारत कांचीपुरम, श्री शंकरा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, एनाथुर के सहयोग से, तमिलनाडु के कांचीपुरम में 19 से 25 फरवरी तक 17 वें जनजातीय युवा विनिमय कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन कर रहा है।

बुधवार को इस संदर्भ में मीडिया को संबोधित करते हुए माई भारत के राज्य निदेशक एस. सेंथिल कुमार ने कहा कि उद्घाटन समारोह 20 फरवरी को कांचीपुरम् के शंकर कॉलेज सभागार में आयोजित किया जाएगा और इसका उद्घाटन तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और जिलों से कुल 200 आदिवासी युवा भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के बालाघाट से 50 प्रतिभागी, झारखंड़ के पश्चिम सिंहभूम से 20 प्रतिभागी, ओड़िसा के कंधमाल से 20, मलकानगिरि से 20 और कालाहांडी से 30 तथा महाराष्ट्र से 60 प्रतिभागी शामिल होंगे।

सात दिवसीय आवासीय कार्यक्रम एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल है जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों से आदिवासी युवाओं और तमिलनाडु के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय एकता, विविधता में एकता और समावेशी युवा विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान सभी प्रतिभागी युवा श्री शंकरा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, एनाथुर, कांचीपुरम में ठहरेंगे। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न सांस्कृतिक, भाषाई और भौगोलिक पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं में भावनात्मक एकीकरण, आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता की प्रबल भावना को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम आदिवासी युवाओं को तमिलनाडु के सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक वातावरण से परिचित कराकर उन्हें राष्ट्रीय मुख्यधारा में लाने का प्रयास करता है, साथ ही संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय गौरव को भी सुदृढ़ करता है।

प्रतिभागियों को भारत की सांस्कृतिक विरासत, युवा विकास पहलों और औद्योगिक प्रगति की जानकारी प्रदान करने के लिए भ्रमण यात्राओं की योजना बनाई गई है। इनमें महाबलीपुरम, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, सेंट-गोबेन फैक्ट्री, रेशम बुनाई केंद्र और कांचीपुरम एवं आसपास के प्रमुख सांस्कृतिक एवं विरासत केंद्रों का प्रतिदिन सुबह भ्रमण शामिल है।

देश के कुछ हिस्सों में हिंदी का विरोध इसमें उर्दू और फारसी शब्दों की वजह से होता है : अर्लेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने बुधवार को कहा कि देश के कुछ हिस्सों, खासकर दक्षिण भारत में हिंदी का विरोध उसमें उर्दू या फारसी शब्दों की मौजूदगी की वजह से हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि संस्कृत-आधारित शब्दावली का इस्तेमाल इसका हल हो सकता है। अर्लेकर ने कहा कि भारत के कुछ हिस्सों में हिंदी बोलने का विरोध, भाषा के विरोध से ज्यादा शब्दों की जानकारी के अभाव की वजह से हो सकता है।

उन्होंने कहा कि आज की हिंदी में इस्तेमाल होने वाले कई शब्द उर्दू या फारसी से लिए गए हैं, जिससे दक्षिण भारतीय भाषाएं बोलने वालों को यह भाषा कम समझ में आ सकती है। बयान में कहा गया है कि राज्यपाल ने सुझाव दिया कि संस्कृत-प्रचुर हिंदी देश के अलग-अलग इलाकों में भाषा को समझने को आसान बना सकती है। उन्होंने कहा, ''अगर हम हिंदी बोलते समय संस्कृत से लिए गए अधिक शब्दों को शामिल करें, तो दक्षिण भारत में कई लोग इसे आज की तुलना में बेहतर समझ सकते हैं।'' राज्यपाल ने कहा कि यह तरीका एकरूपता थोपने के बजाय सबको साथ लेकर चलने को बढ़ावा देगा। केरल लोक भवन की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि राज्यपाल यहां इंटरनेशनल स्कूल ऑफ द्रविड़ियन लिंग्विस्टिक्स में मशहूर भाषाविद् वी आई सुब्रमण्यम के जन्म शताब्दी समारोह में बोल रहे थे।

बयान के अनुसार अर्लेकर का यह भी मानना है कि भाषा से जुड़ी चुनौतियां अक्सर भाषा के संरचनात्मक पहलुओं के बजाय रोजाना के इस्तेमाल से पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि कई भारतीय भाषाएं संस्कृत के प्रभाव की वजह से गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध साझा करती हैं, और ऐसी साझा जड़ों पर जोर देने से भाषा के बीच की खाई को पाटने में मदद मिल सकती है।

तमिलनाडु बोर्ड परीक्षाएं :17 लाख से अधिक छात्र परीक्षा देंगे; नए सुधार और कार्यक्रम की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भर में 17 लाख से अधिक छात्र इस वर्ष कक्षा 10 और कक्षा 12 की परीक्षाओं में शामिल होंगे और स्कूल शिक्षा विभाग सुचारू और पारदर्शी संचालन सुनिश्चित करने के लिए तैयारियों को तेज कर रहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसका उद्देश्य परीक्षा की तैयारियों का आकलन करना और किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकना था। स्कूल शिक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 8,27,475 छात्र कक्षा 12 की परीक्षा देंगे। कक्षा 10 के लिए कुल 9,09,002 छात्र परीक्षा में शामिल होने वाले हैं। इसके अतिरिक्त, 25,051 छात्र कक्षा 11 की बकाया परीक्षाओं में बैठेंगे, जिनमें से 5,944 निजी उम्मीदवार हैं। गौरतलब है कि कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं 2 मार्च से 26 मार्च तक आयोजित की जाएंगी, जबकि कक्षा 10 की परीक्षाएं 11 मार्च से 6 अप्रैल तक निर्धारित हैं। शैक्षिक पहुंच संबंधी पहल जारी हैं, जिसके तहत इस वर्ष 281 कैदियों ने कक्षा 12 की परीक्षा दी और 395 कैदियों ने कक्षा 10 की परीक्षा दी।

परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रतिदिन लगभग 49,000 शिक्षकों को परीक्षा संबंधी कार्यों में तैनात किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, परीक्षा केंद्रों पर अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकने के लिए 4,900 से अधिक फ्लाइंग स्क्वाड सदस्य निगरानी करेंगे। पिछले वर्ष दिव्यांग छात्रों के लिए उपलब्ध लेखक सुविधा के दुरुपयोग की शिकायतों के बाद, मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने एक नई प्रणाली की घोषणा की, जिसके तहत प्रशिक्षित स्वयंसेवक लेखक के रूप में कार्य करेंगे और पहले यह भूमिका निभाने वाले विषय शिक्षकों का स्थान लेंगे। इस उपाय का उद्देश्य अपात्र उम्मीदवारों को इस सुविधा का लाभ उठाने से रोकना और शिक्षकों को निरीक्षण कर्तव्यों में पूरी तरह से संलग्न रखना है।

छात्रों को नए शैक्षणिक सहायता उपायों से भी लाभ मिलेगा। इस वर्ष से, लेखांकन परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों को सामान्य गैर-प्रोग्रामेबल कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी। निजी उम्मीदवारों के आवासीय विवरणों को सत्यापित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे अपने संबंधित जिलों के भीतर ही परीक्षा दें, आधार-आधारित सत्यापन शुरू किया गया है, जिसमें विवरण सिस्टम में अपलोड किए जाते हैं।

शिक्षकों के अनुरोधों का जवाब देते हुए मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने कहा कि परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। बेहतर निगरानी, तकनीकी सुरक्षा उपायों और छात्र-हितैषी सुधारों के साथ, राज्य का लक्ष्य 2026 की बोर्ड परीक्षाओं को निष्पक्ष और कुशलतापूर्वक आयोजित करना है।

राज्यपाल की नियुक्ति विधानसभा की सिफारिशों के आधार होनी चाहिए : तमिलनाडु समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता वाली केंद्र-राज्य संबंधों पर गठित उच्च स्तरीय समिति ने सिफारिश की है कि राज्यपालों की नियुक्ति राज्य विधानसभा द्वारा अनुमोदित नामों के आधार पर की जानी चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा बुधवार को विधानसभा में पेश की गई अपनी रिपोर्ट में समिति ने राज्यपालों के लिए पांच साल का कार्यकाल तय करने का सुझाव दिया है जिसका विस्तार नहीं किया जाए।

समिति ने कहा, ''केंद्र और राज्यों के बीच एक तटस्थ संवैधानिक कड़ी के रूप में परिकल्पित राज्यपाल का कार्यालय, अपने इच्छित उद्देश्य से लगातार भटकता जा रहा है। राज्यपाल द्वारा की गई मनमानी की हर घटना - सरकार गठन या पतन में हेरफेर करना, विधानसभा को बुलाने से इनकार करना, मंजूरी को रोकना या अनिश्चित काल तक विलंबित करना, निर्वाचित सरकार की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना या राजभवन को केंद्र में सत्तारूढ़ दल का पक्षपात करने वाला एक स्थान बनाना - इस संस्था में विश्वास को कमतर करती है।''

समिति ने कहा कि उसका 'दृढ़ मत' है कि भारतीय संघवाद को अब 1991 के आर्थिक सुधारों के समान महत्वाकांक्षी संरचनात्मक पुनर्स्थापना की आवश्यकता है। केंद्र-राज्य संबंधों पर मंथन करने के लिए 15 अप्रैल 2025 को न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता में समिति गठित की गई। इसने समकालीन संघीय चुनौतियों की विस्तृत अध्ययन करने के बाद 16 फरवरी को मुख्यमंत्री को अपनी पहली रिपोर्ट प्रस्तुत की। समिति ने संवैधानिक ढांचे के भीतर संघीय संतुलन को बहाल करने और वास्तविक सहकारी संघवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से कई सिफारिशें की हैं ''जिनमें संविधान के अनुच्छेद 155 में संशोधन करने की सिफारिश भी शामिल है ताकि राष्ट्रपति को राज्य विधान सभा की कुल सदस्यता के बहुमत द्वारा अनुमोदित तीन नामों में से एक को राज्य के राज्यपाल के रूप में नियुक्त करने के लिए बाध्य किया जा सके।'' समिति ने कहा कि राज्यपालों के लिए एक निश्चित, गैर-नवीकरणीय पांच वर्षीय कार्यकाल प्रदान करने के लिए अनुच्छेद 156 में संशोधन किया जाना चाहिए। उसने एक नई तेरहवीं अनुसूची राज्यपालों के लिए निर्देश पत्र' को शामिल करने की अनुशंसा की जिसमें राज्य के शीर्ष संवैधानिक पद धारक की तटस्थता सुनिश्चित करने, अधिकारों के दुरुपयोग को रोकने और संघवाद और संवैधानिक संतुलन को मजबूत करने के लिए विवेकाधिकार पर बाध्यकारी सीमाएं निर्धारित हों। समिति ने कहा कि संघवाद कभी भी उधार लिया गया सिद्धांत या वैचारिक विलासिता नहीं था बल्कि यह एक आवश्यकता थी।

विधानसभा में बुधवार को पेश की गई रिपोर्ट के भाग-1 के पहले अध्याय में गहन विकेंद्रीकरण और बढ़ी हुई राज्य स्वायत्तता के लिए एक स्पष्ट और सैद्धांतिक संवैधानिक आधार प्रस्तुत करने वाल 11 दलीलें दी गई हैं। रिपोर्ट में संविधान की भाषा के बारे में कहा गया, संविधान का शायद ही कोई ऐसा भाग हो जिसमें भाषा संबंधी प्रावधानों की तुलना में सुधार की सबसे अधिक आवश्यकता हो, क्योंकि ये प्रावधान इस गलत धारणा पर आधारित हैं कि राष्ट्रीय एकता के लिए भाषाई एकरूपता आवश्यक है। तुलनात्मक अंतरराष्ट्रीय अनुभव इसके विपरीत संकेत देते हैं। समिति ने कहा कि ''भारत को 'एक राष्ट्र, एक भाषा' के भ्रम को त्याग देना चाहिए, क्योंकि सच्ची एकता भाषाई एकरूपता से नहीं, बल्कि भाषाई समानता से उत्पन्न होती है। इसमें कहा गया है, भारत की भाषा नीति निष्पक्षता, समावेशिता और हर भाषा के प्रति सम्मान पर आधारित होनी चाहिए, चाहे उसे बोलने वालों की संख्या कितनी भी हो।'' समिति ने संविधान के अनुच्छेद 343 में भी संशोधन की सिफारिश की है ताकि अंग्रेजी को भारत की स्थायी आधिकारिक भाषा के रूप में संवैधानिक रूप से स्थापित किया जा सके और आधिकारिक भाषा अधिनियम 1963 पर इसकी निर्भरता को समाप्त किया जा सके। इसमें संविधान के अनुच्छेद 345 में भी संशोधन करके या हिंदी' को हटाकर यह स्पष्ट करने की सिफारिश की गई है कि राज्य केवल अपने राज्य में प्रचलित भाषाओं को ही अपनी आधिकारिक भाषा के रूप में अपना सकते हैं। न्यायमूर्ति जोसेफ नीत समिति ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 346 में संशोधन करके संघ और राज्यों के बीच तथा राज्यों के आपस में सभी आधिकारिक संचार के लिए अंग्रेजी को स्थायी संपर्क भाषा के रूप में स्पष्ट रूप से गारंटी दी जानी चाहिए।

तमिलनाडु विधानसभा ने अजित पवार के निधन पर शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर बुधवार को शोक व्यक्त किया। दिन की कार्यवाही के लिए सदन की बैठक शुरू होने के तुरंत बाद, अध्यक्ष एम अप्पावु ने पवार के निधन पर शोक व्यक्त करने वाला प्रस्ताव पढ़ा। पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और 28 जनवरी को बारामती के पास विमान दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी।

अध्यक्ष ने शोक संदर्भ में विधानसभा के पूर्व सदस्यों एन सुंदरम एवं के लिंगामुथु तथा शिक्षाविद एस एस राजगोपालन के निधन का भी जिक्र किया। सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

गुरुवार को शुरु होने वाली भाजपा की राज्यकार्यकारिणी बैठक का जायजा लेते हुए राज्याध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा एवं अन्य

सिद्दरामय्या सरकार के पास कुछ तो छिपाने के लिए है जिसे वह बचा रहे हैं : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

विधानसौधा में इलेक्ट्रानिक मीडिया पर बैन तुरन्त हटाया जाए

बेंगलूरु। सिद्दरामय्या सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ है और बचाने के लिए कोई है। यही वजह है कि सरकार ने विधानसभा में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की एंट्री पर बैन लगा दिया है, राज्य भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने बुधवार को कहा। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सचिवालय में मीडिया की एंट्री पर बैन लगाने का सरकार का यह कदम बहुत ही अलोकतांत्रिक है और फ्री प्रेस के सिद्धांतों के खिलाफ है।

भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा, मैं मांग करता हूं कि विधानसभा में मीडिया की एंट्री पर बैन तुरंत हटाया जाए। विजयेंद्र के मुताबिक, कांग्रेस सरकार घबराई हुई और हताश है और इसलिए उसने ऐसे काम करने का सहारा लिया है जो संदिग्ध हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस नए हताश और घबराए हुए कदम का कैबिनेट मंत्री के चैंबर में हाल ही में मिले भारी कैश और सोने से कोई लेना-देना है। यह सब गड़बड़ है। विजयेंद्र ने दोहराया कि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ है और बचाने के लिए कोई है। मीडिया वालों को अपने प्रोफेशनल काम करने के लिए विधान सौधा में घुसने का पूरा हक है।

विजयेन्द्र ने कहा कि उनकी एंट्री पर बैन लगाकर और उनके आने-जाने पर रोक लगाकर, सिद्दरामय्या सरकार ने उनके हक कम कर दिए हैं। यह न सिर्फ मंजूर नहीं है बल्कि एक डेमोक्रेटिक सिस्टम में इसकी कड़ी निंदा भी की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द ही डीपीआईआर को लिखकर सफाई मांगेंगे और सरकार से बैन तुरंत हटाने की अपील करेंगे।

डीके शिवकुमार की बड़ी धमकी से डरने का सवाल ही नहीं उठता : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

आज भाजपा राज्य कार्यकारिणी बैठक में 1250 से ज्यादा प्रतिनिधि भाग लेंगे : विजयेन्द्र

बेंगलूरु। भाजपा के राज्याध्यक्ष और विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने कहा कि भाजपा राज्य कार्यकारिणी की बैठक 19 फरवरी को पैलेस ग्राउन्ड में आयोजित हो रही है। बुधवार को पैलेस ग्राउंड्स के गायत्री ग्रैंड के गेट नंबर 4 पर तैयारियों का जायजा करने के बाद उन्होंने बाद में मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि राज्यभर से प्रतिनिधि सुबह 8.30 बजे तक पहुंचेंगे। सुबह 9.45 बजे ध्वजारोहण होगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा, डीवी सदानंद गौड़ा, जगदीश शेट्टर और बसवराज बोम्मई के साथ केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी, शोभा करंदलाजे, सांसद, विधायक एवं विधानपरिषद सदस्य उपस्थित होंगे। बैठक के दौरान आगामी छह महीने में होने वाले चुनावों पर चर्चा होगी। बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण में उपचुनाव होंगे। वहीं बागेपल्ली में भी उपचुनाव की संभावना साफ नजर आ रही है। विधानपरिषद, जिला पंचायत, तालुक पंचायत और जीबीए के चुनाव में सामने हैं। उन्होंने विश्लेषण करते हुए कहा कि अगले छह महीने चुनावी मौसम कहा जा सकता है। इस बारे में संगठन को जुटाने पर बैठक में चर्चा होगी। कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए लगभग 3 साल हो गए हैं। लोग राज्य में कांग्रेस सरकार की नाकामियों से थक चुके हैं। ऐसी भ्रष्ट, गरीब विरोधी, किसान विरोधी, युवा विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए बहुत गंभीर चर्चा की जाएगी।

येडीयुरप्पा का सम्मान

किसान नेता, पूर्व मुख्यमंत्री और इस देश के भाजपा कार्यकर्ता बी.एस. येडीयुरप्पा ने सार्वजनिक जीवन के 50 साल पूरे कर लिए हैं। जनसंघ के ज़माने से उन्होंने मंड्या से लेकर शिकारीपुरा तक राज्य की सेवा की है और शहर तक सीमित भाजपा को गांवों तक ले जाने में कामयाब रहे हैं। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ सदस्यों की मौजूदगी में बी.एस. येडीयुरप्पा के लिए एक सम्मान कार्यक्रम रखा जाएगा।उन्होंने कहा कि येडीयुरप्पा हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा हैं। येडीयुरप्पा, अनंत कुमार, वी.एस. आचार्य, थंगा, कार्की, शंकरमूर्ति और कई दूसरे वरिष्ठ नेताओं ने समीक्षा की कि कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा है कि पार्टी राज्य में इतनी मज़बूती से खड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि हम कल एग्जीक्यूटिव में भविष्य के संगठन पर चर्चा करेंगे।

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

डिजाइन प्रतियोगिता

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 17 फरवरी, 2026 को देवभूमि द्वारका, गुजरात में एक स्मारकगत काइनेटिक इंस्टॉलेशन की परिकल्पना और डिजाइन के लिए औपचारिक डिज़ाइन प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध सीपीपीपी ई-पब्लिशिंग पोर्टल तथा इस मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। इच्छुक कलाकार/फर्म विवरण के लिए eprocure.gov.in तथा culture.gov.in देख सकते हैं।

क्रेडेंशियल और पोर्टफोलियो प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10 मार्च, 2026 है।

CBC 09101/11/0038/2526

राज्य सरकार के बजट ने दिव्यांगों को निराश किया : अशोक गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार के आगामी वित्त वर्ष (2026-27) के बजट ने दिव्यांगजनों को निराश किया है और वे ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। गहलोत ने एक बयान में कहा, भाजपा सरकार के बजट ने प्रदेश के 'विशेष योग्यजनों' को पूरी तरह निराश किया है। हमारी (तत्कालीन) सरकार ने दिव्यांगों के लिए दो विश्वविद्यालय दिए, जिन्हें आज ठप कर दिया गया है। इनका काम आगे बढ़ता तो ये प्रदेश के दिव्यांगों के लिए हितकारी होते। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, विशेष शिक्षकों की भर्ती पर सरकार मौन है, जबकि दिव्यांगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं में कोई प्रभावी बढ़ोतरी नहीं हुई। कांग्रेस नेता ने कहा, समझ नहीं आता कि भाजपा वंचित व कमजोर वर्गों के प्रति इतनी असंवेदनशील क्यों है? क्या बजट में इनके लिए बड़ी घोषणाएं नहीं होनी चाहिए थीं? दिव्यांगजन आज ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। गहलोत ने उम्मीद जताई कि सरकार कम से कम विनियोग विधेयक में दिव्यांगों के हित की घोषणाएं करेगी।

जनजातीय छात्रावासों में खाद्य सामग्री की खरीद में अनियमितता की जांच करवाएंगे

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बुधवार को कहा कि जनजातीय छात्रावासों में खाद्य सामग्री की खरीद में अनियमितता की जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने प्रश्नकाल में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रीय छात्रावासों में खाद्य सामग्री खरीद में अनियमितताओं की जानकारी मिलने पर समिति का गठन कर जांच करवाई जा रही है। समिति में वित्त सलाहकार, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी, लेखा अधिकारी एवं सहायक लेखाधिकारी को शामिल किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विधायक अर्जुन सिंह बामणिया के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा छात्रावासों को सहकारिता उपभोक्ता भण्डार से खाद्य सामग्री खरीदने के निर्देश दिये गए थे। उपभोक्ता भण्डार द्वारा दो महीने के बाद ही राशन उपलब्ध करवाने में असमर्थता जताने के बाद छात्रावासों द्वारा बाहर से राशन सामग्री की खरीद की गई।

सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ प्रदर्शन में घायल पूर्व सरपंच की मौत

जयपुर। सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान वाहन की चपेट में आए पूर्व सरपंच की बुधवार को अजमेर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पूर्व सरपंच गोविंद राम गुर्जर की मौत की खबर मिलते ही ग्रामीण अस्पताल के मुर्दाघर के सामने एकत्र हो गए। उन्होंने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की और प्रदर्शन किया। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भड़ाना भी मौके पर पहुंचे और प्रशासन पर मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग अस्पताल परिसर में घुस गए और नारेबाजी की। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी स्थिति को शांत करने में जुटे रहे। घटना 11 फरवरी को हुई थी जब गोविंद राम अन्य ग्रामीणों के साथ डुमड़ा गांव पहुंचे थे। ग्रामीणों ने सड़क पर अतिक्रमण की सूचना दी थी। विरोध-प्रदर्शन के दौरान गोविंद राम एक वाहन की चपेट में आकर घायल हो गए थे। उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया था और बुधवार को उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें से एक आरोपी परमेश्वर को गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं।

डूंगरपुर के सरकारी विद्यालय के पीछे युवक-युवती के शव मिले, आत्महत्या की आशंका

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में बुधवार को एक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पीछे लोहे की छड़ से लटकते हुए एक युवक और एक युवती के शव मिले। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मनोज (22) के रूप में हुई है। वह मजदूरी करता था और एक बेटी का पिता था। युवती की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस को संदेह है कि यह मामला प्रेम संबंध से जुड़ी आत्महत्या का हो सकता है। मनोज एक फरवरी को पत्नी से झगड़े के बाद घर से चला गया था। उसकी पत्नी ने मंगलवार को चौरासी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर के पीछे शवों को लटकते देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में मौसम ने करवट बदली है जहां बीते चौबीस घंटे के दौरान राजधानी जयपुर सहित अनेक इलाकों में बारिश हुई। मौसम केंद्र ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम केंद्र के अनुसार, बुधवार सुबह तक बीते 24 घंटे के दौरान राजस्थान में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश नरैना (जयपुर) में 27.0 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान न्यूनतम तापमान सिरोही में 11.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र के अनुसार, विक्षोभ का सबसे अधिक असर आज बुधवार को बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में होने व कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

नवीन गतिविधियों को अपनाकर आर्थिक सशक्त बन रही हैं राज्य की सहकारी समिति : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत गुजरात के गांधीनगर में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 17 फरवरी, मंगलवार को 'सहकार मंथन' बैठक आयोजित हुई। राजस्थान से सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने इस अहम बैठक में सहभागिता की। दक ने बताया कि 'सहकार से समृद्धि' की दिशा में राज्य में किये जा रहे कार्यों एवं नवाचारों को बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। विशेष रूप से विश्व की वृहत अन्न भण्डारण योजना के बेहतर क्रियान्वयन, सहकारी समितियों द्वारा मिलेट आउटलेट्स खोले जाने, राष्ट्रीय स्तर पर गठित बहुराज्यीय सहकारी समितियों की राज्य की सहकारी समितियों द्वारा सदस्यता, नवीन एम-पैक्स के गठन, उदयपुर में बाइक ऑन रेंट सेवा शुरू किए जाने एवं सहकार सदस्यता अभियान आदि के लिए राज्य की सराहना की गई। उन्होंने बताया कि विश्व की वृहत अन्न भण्डारण योजना के क्रियान्वयन में राज्य का देश में प्रथम एवं नवीन एम-पैक्स के गठन में द्वितीय स्थान है। इसी प्रकार, भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की सदस्यता के मामले में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि राज्य की सहकारी समितियों द्वारा अब तक 225 मिलेट आउटलेट्स खोले जा चुके हैं।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने में सहकारिता की भूमिका को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित यह उच्चस्तरीय बैठक सहकारी संस्थाओं को और अधिक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि बैठक में एम-पैक्स, डेयरी सहकारी समिति एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन, विश्व की वृहत अन्न भण्डारण योजना के क्रियान्वयन, पैक्स कम्प्यूटराइजेशन आदि विभिन्न विषयों पर नीतिगत मंथन किया गया।

दक ने बताया कि शाह ने बैठक में राज्यों को अन्न भण्डारण क्षमता बढ़ाने, सभी सहकारी संस्थाओं के बैंक खाते ज़िला सहकारी बैंकों में खोलने एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में सहकारी बैंकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने आगामी दिनों में देश में अनाज भण्डारण क्षमता उत्पादन की तुलना में तीन गुना बढ़ाने पर बल दिया।

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने बैठक में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए राज्य की ओर से अपने सुझाव दिए। वहीं, राज्य की ओर से एक प्रस्तुतीकरण भी हुआ, जिसमें बताया गया कि राज्य की सहकारी समितियां अब केवल किसानों को ऋण वितरण तक सीमित नहीं है बल्कि सोलर एनर्जी प्लांट, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, वेयर हाउस, जिम, लाइब्रेरी, गेस्ट हाउस, ड्रोन, कस्टम हायरिंग सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर एवं ई-मित्र आदि नवीन गतिविधियों को अपनाकर वे आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं एवं नये वर्गों को भी अपने साथ जोड़ रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती आनन्दी भी इस बैठक में शामिल हुईं।

न्यायालय ने आठ न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के बाद अनुशासनात्मक उपाय के तहत आठ न्यायिक अधिकारियों को 'प्रतीक्षारत पदस्थापना आदेश' (एपीओ) की स्थिति के तहत रखा है। मुख्य न्यायाधीश ने मंगलवार को उच्च न्यायालय के विरासत भवन परिसर और आसपास के अधीनस्थ अदालतों में निरीक्षण किया। इसके कुछ ही समय बाद उच्च न्यायालय के महापंजीयक (रजिस्ट्रार जनरल) ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए एक आदेश जारी किया और निर्देश दिया कि अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से प्रतीक्षारत पदस्थापना आदेश के तहत रखा जाए। हालांकि, इसमें विस्तृत कारण नहीं बताए गए।

सूत्रों ने संकेत दिया कि कुछ न्यायिक अधिकारी अदालत के कामकाज की अवधि के दौरान अपने अपने कक्ष में पाए गए थे जबकि सभी न्यायाधीशों के लिए अलग अदालती समय और चैंबर का समय निर्धारित है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब जोधपुर के झालमंड स्थित उच्च न्यायालय परिसर को ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली। एहतियात के तौर पर पूरे अदालत परिसर को खाली करा दिया गया और अदालती कार्यवाही स्थगित कर दी गई। एक नोटिस जारी किया गया जिसमें कहा गया कि सुनवाई दोपहर तक शुरू हो जाएगी।

सुरक्षा जांच के बीच, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश शर्मा ने न्यायालय परिसर का दौरा किया तथा जिला, महानगर और अन्य अधीनस्थ अदालतों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, कई अदालत कक्ष खाली पाए गए और कई न्यायिक अधिकारी अपने निर्धारित स्थान पर नहीं मिले। अनुशासन और समयपालन में हुई इस चूक को गंभीरता से लेते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए।

भाजपा विधायक ने बजट की तुलना 'छोरा-छोरी' के जन्म से की, विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक ने राज्य के आगामी वित्त वर्ष के बजट पर चर्चा के दौरान मौजूदा सरकार के बजट की तुलना छोरे के जन्म से और पिछली कांग्रेस सरकार के अंतिम बजट की तुलना छोरी के जन्म से करके राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। वैर विधानसभा सीट से विधायक बहादुर सिंह कोली ने चर्चा के दौरान कहा, हमारा जवानी का बजट है, इनका बुढ़ापे का बजट था जो चुनाव से पहले आया था।

अपनी सरकार के बजट की सराहना करते हुए उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार ने अपने पहले ही बजट में छोरा पैदा किया, दूसरे बजट में भी छोरा पैदा किया अब तीसरे बजट में भी छोरा पैदा किया। जो जवानी में छोरा पैदा करता है वह हमेशा काम आता है। उन्होंने कहा, तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने आखिरी बजट में घोषणाएं कीं तो वहां छोरी पैदा हुई, वहां छोरा पैदा नहीं हुआ। इसलिए वे आज विपक्ष में बैठे हुए हैं। विधायक की इस टिप्पणी पर कांग्रेस के विधायकों ने मंगलवार को आपत्ति जताई।

नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने बयान की आलोचना करते हुए इसे भेदभावपूर्ण और शर्मनाक बताया। जूली ने कहा, 16 फरवरी को आपके विधायक ने बजट पर बोलते हुए इसकी तुलना बेटे-बेटी से की। क्या इसी महिला सम्मान की बात आप करते हैं? इस बात पर आप (सत्ता पक्ष) सब लोग बैठे बैठे हंस रहे थे। यह आपकी सोच है महिलाओं के प्रति?

उन्होंने कहा, मैं भी दो बेटियों की बाप हूं। कल एक बच्ची को विदा किया है। बेटा व बेटी में फर्क करते हैं आप लोग? यही स्थिति है आप लोगों की? उन्होंने कहा कि सदन में बेटियों को बेटों की तुलना में कमजोर बताया जाना शर्मनाक है। बाद में, अपने बयान का बचाव करते हुए कोली ने संवाददाताओं से कहा, इसमें क्या गलत है? यह हमारी ब्रजभाषा है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि उनकी बातें गलत थीं, तो उन्होंने जवाब दिया, बयान में क्या गलत था? मैंने कहा था कि अच्छा बजट पेश किया गया है; कि छोरा पैदा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने जनता को बेवकूफ बनाने के लिए चुनाव से पहले लोकलुभावन बजट पेश किया जो लड़की के जन्म जैसा है।

जोधपुर में रूह कंपा देने वाली वारदात : मौसेरे भाई-बहन के मिले शव; बहन की हत्या के बाद भाई ने लगाया फंदा

जोधपुर। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना इलाके में बुधवार को एक खौफनाक मंजर देखने को मिला। एक ही कमरे में युवक और युवती के शव मिलने से हड़कंप मच गया। शुरुआती जांच और मौके के हालात को देखते हुए अंदेशा जताया जा रहा है कि युवक ने पहले अपनी मौसेरी बहन की हत्या की और उसके बाद खुद फंदे से लटक कर जान दे दी। वारदात का खौफनाक मंजर पुलिस जब सूचना पाकर मौके पर पहुंची, तो वहां का दृश्य विचलित करने वाला था। लड़की के सिर पर चोट के गहरे निशान मिले हैं, जिससे संघर्ष और बेरहमी से हत्या किए जाने के संकेत मिल रहे हैं।

युवती के शव के पास ही युवक का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों आपस में मौसेरे भाई-बहन थे। युवती पाली में रहकर अपनी पढ़ाई कर रही थी, जबकि युवक जोधपुर में ही रहकर पढ़ाई कर रहा था। दोनों के बीच इस घातक कदम के पीछे के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के उच्च अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

साक्ष्यों का संकलन : ऋ्डङ (फॉरेंसिक साइंस लैब) और चजइ (मोबाइल आउटरीच ब्यूरो) की टीमों ने मौके से फिंगरप्रिंट्स और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

डिजिटल तकनीक से सशक्त होगी जनगणना-2027 की प्रक्रिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनगणना-2027 की तैयारियों के अंतर्गत जिला स्तर पर नियमित सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार, 16 फरवरी 2026 को जिला परिषद सभागार, जयपुर में प्रारंभ होकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन संजय कुमार माथुर, जिला जनगणना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर उप जिला जनगणना अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग बाबू लाल मीणा ने जनगणना-2027 के कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रशिक्षण की कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूर्णतः डिजिटल मोड में आयोजित की जाएगी, जो पारदर्शिता, शुद्धता एवं त्वरित डेटा संकलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

प्रशिक्षण के दौरान नियमित सहायकों को सीएमएमएस पोर्टल, स्वगणना ऐप तथा जनगणना-2027 के अंतर्गत आमजन से पूछे जाने वाले प्रश्नों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल उपकरणों के माध्यम से डेटा संकलन, अपलोडिंग एवं सत्यापन की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। निर्धारित कार्यक्रमानुसार 1 मई से 15 मई 2026 तक स्वगणना तथा 16 मई 2026 से 14 जून 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य संपादित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले की सभी तहसीलों, नगर परिषदों, नगरपालिकाओं तथा नगर निगम जयपुर के आयुक्त कार्यालय एवं 13 जोन कार्यालयों से नियमित सहायक उपस्थित रहे।

अब क्रिकेट के जरिए युवाओं को मिलेगा धर्म और संस्कारों का ज्ञान : देवकीनंदन ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजसमंद । आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर ने युवाओं को सनातन धर्म से जोड़ने के लिए एक नई और अनोखी पहल का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल प्रवचन या कथाओं के माध्यम से ही नहीं, बल्कि युवाओं की रुचि के अनुसार अलग-अलग मंचों के जरिए धर्म का संदेश पहुंचाना जरूरी हो गया है। इसी सोच के तहत अब क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल को भी माध्यम बनाकर बच्चों और युवाओं को धर्म, संस्कार और जीवन मूल्यों से जोड़ने की योजना बनाई गई है। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, आज का युवा वर्ग धर्म के रास्ते पर भी चलना चाहता है और साथ ही अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित भी देखना चाहता है। इसी संतुलन को ध्यान में रखते हुए इस क्रिकेट आयोजन में आकर्षक इनाम रखे गए हैं। उन्होंने बताया कि जो टीम इस टूर्नामेंट में विजेता बनेगी, उसे 31 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जबकि उपविजेता टीम को 15 लाख रुपए मिलेंगे। इसके अलावा, 'मैन ऑफ द सीरीज' को एक कार और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को बाइक दी जाएगी। ये सभी पुरस्कार खिलाड़ियों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से रखे गए हैं।

देवकीनंदन ठाकुर ने आगे कहा, यह आयोजन सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके जरिए खिलाड़ियों को संतों के समीप आने का भी अवसर मिलेगा। खिलाड़ियों की मुलाकात संतों से कराई जाएगी, जो उन्हें बताएंगे कि खेल में आत्मबल कितना जरूरी होता है और किसी भी खिलाड़ी के जीवन में परिवार का सहयोग कितनी बड़ी भूमिका निभाता है। जब खेल और संस्कार एक साथ जुड़ते हैं, तो युवा न सिर्फ अच्छा खिलाड़ी बनता है बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनता है।

देवकीनंदन ठाकुर ने अभिभावकों से भी खास अपील की। उन्होंने कहा, ''घर से ही बच्चों में सनातन संस्कार डालने की जरूरत है। माता-पिता अपने बच्चों को सनातन धर्म का पालन करने वाला बनाएं, उनके माथे पर तिलक हो, गले में कंठी हो, कलाई पर कलावा हो और मुंह में भगवान का नाम हो। यह छोटी-छोटी चीजें बच्चों के जीवन में बड़ा असर डालती हैं और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। बच्चों को हमारे सनातन धर्मग्रंथों के बारे में जानकारी देना और उन्हें सही रास्ते पर चलने के लिए मार्गदर्शन करना आज के समय की बड़ी जरूरत है।''

देवकीनंदन ठाकुर ने आगे बताया कि यह क्रिकेट आयोजन 12, 13, 14, और 15 मार्च को इंदौर में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस आयोजन को देखने जरूर जाएं और ऐसे युवाओं को सपोर्ट करें, जो आगे चलकर देश के भविष्य के स्टार खिलाड़ी बन सकते हैं। यह क्रिकेट मैच टीवी चैनल पर लाइव प्रसारित किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस पहल से जुड़ सकें।

विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत विद्यार्थियों से लिया जा रहा है विमर्श शुल्क : बैरवा

जयपुर/दक्षिण भारत। उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजऋषि भर्तृहरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर तथा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा स्वयंपाठी विद्यार्थियों से लिया जा रहा विमर्श शुल्क विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानों के तहत निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इसमें प्रत्यक्ष संशोधन किया जाना संभव नहीं है।

उच्च शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक श्री मनीष यादव द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इन विश्विद्यालयों द्वारा अपने-अपने अधिनियमों एवं प्रावधानों के अन्तर्गत सक्षम निकायों से अनुमोदन उपरान्त ही स्वयंपाठी विद्यार्थियों से प्रति छात्र 1 हजार रुपये विमर्श शुल्क लिया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय इस प्रकार का शुल्क निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने बताया कि विमर्श शुल्क का उपयोग स्वयंपाठी छात्रों को हेल्पडेस्क के माध्यम से शैक्षणिक एवं परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करने में किया जाता है। इसके अतिरिक्त इस शुल्क में भवन एवं अन्य प्रशासनिक व्यय भी शामिल रहते हैं। इससे पहले सदस्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री ने मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजऋषि भर्तृहरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर तथा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा स्वयंपाठी विद्यार्थियों से लिए जा रहे 'विमर्श शुल्क' के संबंध में तीनों विश्वविद्यालयों द्वारा जारी आदेशों की प्रति सदन के पटल पर रखी।

सूर्यकिरण एयर शो के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी जयपुर में 20 एवं 22 फरवरी को जल महल पर आयोजित होने जा रहे भव्य एयर शो को लेकर तैयारियां अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले इस रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन को जन-उत्सव का स्वरूप देने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। यह एयर शो केवल एक मनोरंजक कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन एवं साहस की प्रेरणा जागृत करने का अवसर भी है। भारतीय वायु सेना के जांबाज पायलट आकाश में सामूहिक उड़ान, समन्वित कलाबाजियां एवं रंगीन धुएं के साथ अद्भुत संरचनाएं प्रस्तुत करेंगे, जो दर्शकों के लिए अविस्मरणीय अनुभव होगा। सूर्यकिरण टीम द्वारा किए जाने वाले एरोबेटिक फॉर्मेशन, क्रॉसओवर एवं सिंक्रोनाइज्ड मूवमेंट्स जयपुर के आकाश को शौर्य और गर्व से भर देंगे। आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एयर शो में प्रवेश हेतु पंजीकरण व्यवस्था पूर्णतः डिजिटल माध्यम से की गई है। इच्छुक नागरिक राजस्थान के एसएसओ पोर्टल www.sso.rajasthan.gov.in पर अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से लॉग-इन कर Citizen Services में उपलब्ध Show Jal Mahal Registration सेवा का चयन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवश्यक व्यक्तिगत विवरण भरकर फॉर्म सबमिट करने के उपरांत प्रतिभागी अपना सहभागिता पास डाउनलोड कर सकेंगे। कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश के लिए उक्त पास का मुद्रित प्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। एयर शो को लेकर नागरिकों में विशेष उत्साह व्याप्त है। कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई है कि अधिकतम नागरिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से इसका आनंद ले सकें। जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से यातायात, पार्किंग, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, आपदा प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा संचार व्यवस्था की विस्तृत कार्ययोजना लागू की गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कार्यक्रम सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं आमजन के लिए सुलभ हो। सामान्य प्रशासन विभाग एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरंतर समीक्षा बैठकों के माध्यम से तैयारियों की मॉनिटरिंग की जा रही है। कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। यातायात प्रबंधन के अंतर्गत विशेष रूट प्लान तैयार किया गया है, जिससे कार्यक्रम के दौरान शहर की सामान्य आवाजाही प्रभावित न हो। पार्किंग हेतु चिन्हित स्थलों पर पर्याप्त स्थान की व्यवस्था की गई है तथा वहां से कार्यक्रम स्थल तक पैदल मार्ग एवं वैकल्पिक आवागमन सुविधा उपलब्ध रहेगी।

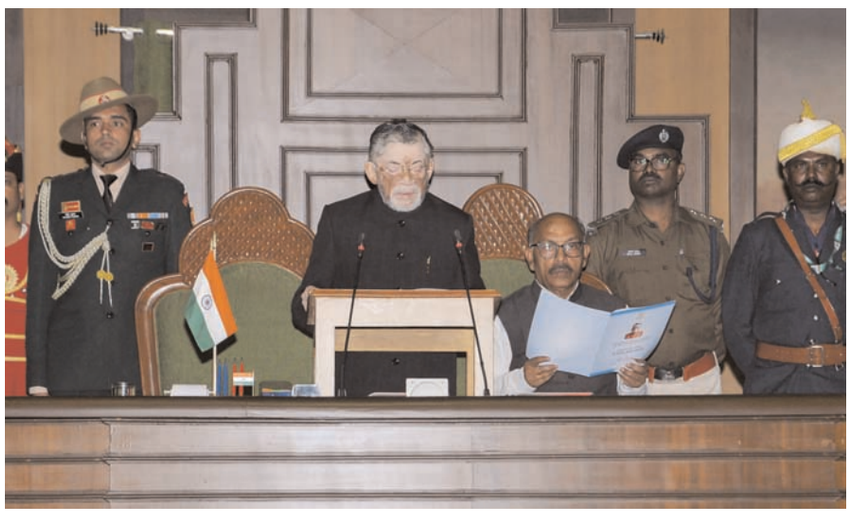

झारखंड प्रकृति के साथ सामंजस्य के सिद्धांत पर प्रगति कर रहा : राज्यपाल गंगवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को कहा कि राज्य ''प्रकृति के साथ सामंजस्य में विकास'' के सिद्धांत पर प्रगति कर रहा है।

गंगवार ने झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अपने अभिभाषण में कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक नागरिक के समग्र विकास, शांति और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रणाली स्थापित की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में ''कतई बर्दाश्त न करने'' की नीति अपनाई है और अपराध-मुक्त एवं भय-मुक्त वातावरण स्थापित किया है''। राज्यपाल ने कहा, ''अशांति फैलाने वाली ताकतों और चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2025 में साइबर अपराध से संबंधित 1,413 मामले दर्ज किए गए और 1,268 लोगों को गिरफ्तार किया गया। साइबर हेल्पलाइन-1930 के माध्यम से कुल 111 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं और लगभग 12 करोड़ रुपए पीड़ितों के खातों में वापस किए गए हैं।'' गंगवार ने कहा कि राज्य ''निवेश, नवाचार और समावेशी विकास की दिशा में प्रगति कर रहा है''। झारखंड के विकास के लिए केंद्र सरकार से सहयोग मांगते हुए गंगवार ने कहा कि केंद्रीय सहायता के बिना कोई भी राज्य सरकार वांछित विकास लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, ''वांछित वित्तीय सहायता न मिलने के कारण हमारी सरकार को विकास और समृद्धि के लिए बड़ी और महत्वाकांक्षी योजनाओं को लागू करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी सरकार को उम्मीद है कि केंद्र सरकार झारखंड के विकास के लिए अपेक्षित सहायता और सहयोग प्रदान करेगी।''

केंद्र से सहयोग मांगने वाले राज्यपाल के बयान पर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बाद में विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा कि उनकी सरकार को केंद्र के समर्थन की उम्मीद है, क्योंकि यह राज्य गरीब और पिछड़ा हुआ है।

इस्कॉन मानवता की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मायापुर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि इस्कॉन प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत कार्यों और सामाजिक कल्याण पहलों के माध्यम से मानवता की सेवा करते हुए विश्व भर में सनातन धर्म का ध्वज फहराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के मायापुर स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदिर में भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर की 152वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के दौरान भक्तों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि वह इस आध्यात्मिक केंद्र में अपनी आधिकारिक क्षमता में नहीं बल्कि चैतन्य महाप्रभु के भक्त के रूप में आए हैं। शाह ने कहा, भाइयों और बहनों, आपने आदरपूर्वक मुझे भारत का गृह मंत्री कहा, लेकिन मैं यहां गृह मंत्री के रूप में यहां नहीं आया हूं। मैं यहां चैतन्य महाप्रभु के एक समर्पित अनुयायी के रूप में आया हूं।

शाह ने बताया कि उनकी लंबे समय से मायापुर जाने की इच्छा थी, लेकिन परिस्थितियों के कारण यात्रा में देरी हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस्कॉन का वैश्विक प्रसार भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर और ए सी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के जीवन भर के कार्यों का परिणाम है। उन्होंने इस्कॉन को विभिन्न देशों और संस्कृतियों के लोगों तक आध्यात्मिक शिक्षा पहुंचाने का श्रेय दिया। शाह ने कहा कि भाजपा

अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री के रूप में अपनी यात्राओं के दौरान उन्होंने पूरे भारत में इस्कॉन के प्रभाव को देखा है। उन्होंने बताया कि इस्कॉन द्वारा प्रकाशित भगवद्गीता की प्रतियां सभी आयु वर्ग और व्यवसायों के लोगों के लिए सुलभ हैं। उन्होंने कहा, चाहे स्कूली बच्चे हों, कॉलेज के युवा हों, गृहिणियां हों या युवा पेशेवर हों, इस्कॉन ने सभी को भगवद्गीता की शिक्षाओं का पालन करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर विश्व के अन्य नेताओं को गीता भेंट करते हैं क्योंकि इसका संदेश सार्वभौमिक कल्याण को बढ़ावा देता है। इस्कॉन के मानवीय कार्यों पर प्रकाश डालते हुए शाह ने कहा कि संगठन की भूमिका धार्मिक गतिविधियों से कहीं अधिक व्यापक है और आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सबसे पहले पहुंचने वाले खाद्य वितरण शिविरों में इसके शिविर भी शामिल हैं। उन्होंने अस्पतालों और स्कूलों की स्थापना, पर्यावरण संबंधी पहलों और भारतीय त्योहारों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने में इस्कॉन के कार्यों का भी उल्लेख किया। गृह मंत्री की मायापुर की संक्षिप्त यात्रा को पार्टी सूत्रों ने धार्मिक प्रकृति का बताया, जिसमें कोई राजनीतिक कार्यक्रम शामिल नहीं था। दक्षिण बंगाल के कुछ हिस्सों में प्रभावशाली समुदाय मतुआ महासंघ से संपर्क साधने के प्रयास के रूप में देखे जा रही टिप्पणी में शाह ने सामाजिक सुधार और कल्याणकारी परंपराओं में उनके योगदान की सराहना की।

एआई समिट पर राहुल की टिप्पणी को लेकर भाजपा का पलटवार, देश की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'एआई समिट' पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर बुधवार को उनपर तंज कसते हुए कहा कि जिस किसी के पास पर्याप्त समझ नहीं है, उसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे विषयों पर सोशल मीडिया पर ''पहले से तैयार'' बयान पोस्ट नहीं करना चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जब भी भारत को विश्व मंच पर अग्रणी भूमिका निभाते और उसके प्रयासों की सराहना होते देखते हैं, तो हमेशा देश की छवि धूमिल करने की कोशिश करते हैं। इससे पहले, राहुल ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 में, चीन में निर्मित 'रोबोटिक कुत्ते' को एक निजी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदर्शित किए जाने का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि सरकार द्वारा आयोजित यह बड़ा कार्यक्रम सिर्फ पीआर (प्रचार) का तमाशा बन गया है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में, राहुल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाटिया ने कहा, ''जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बात आती है, तो जिसके पास समझ नहीं है, उसे 'पहले से तैयार ट्वीट' पोस्ट नहीं करना चाहिए।''

भाटिया ने कहा, ''यह दुखद है। राहुल गांधी का एक ही लक्ष्य है। जब भी भारत विश्व मंच पर अग्रणी भूमिका निभा रहा होता है और उसके प्रयासों की सराहना हो रही होती है, तो वह (गांधी) देश की छवि धूमिल करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है कि विश्व भर के नेता यहां आए हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा निभाई जा रही ''सकारात्मक भूमिका'' और ''योगदान'' की सराहना की है।

रेलवे पटरी पर मालगाड़ी से ट्रैक्टर टकराया, सवा घंटे बाधित रहा रेल यातायात

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। सुलतानपुर जिले के कोतवाली चांदा अंतर्गत लखनऊ-वाराणसी रेलवे लाइन पर बुधवार को मालगाड़ी व ट्रैक्टर की टक्कर होने से करीब सवा घंटे तक रेल यातायात बाधित रहा। पुलिस ने यह जानकारी दी। यहां ईंट से लदा एक ट्रैक्टर मालगाड़ी के इंजन से टकरा गया, जिससे ट्रैक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मालगाड़ी के इंजन को भी नुकसान पहुंचा।

रेलवे पुलिस के अनुसार, मालगाड़ी के इंजन का आगे का बायां हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना के बाद मालगाड़ी लगभग सवा घंटे तक पटरी पर रुकी रही, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ।

कोतवाली चांदा के उप-निरीक्षक अवधेश सिंह के अनुसार, ट्रैक्टर चालक या मालिक के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

पांच राज्यसभा सीटों पर चुनाव: बिहार में तेज होगी राजनीतिक सरगर्मी

पटना/भाषा। बिहार की पांच राज्यसभा सीटों पर चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। इन पांच में से तीन सीटें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास हैं और माना जा रहा है कि वह विपक्ष की शेष दो सीटों पर भी कब्जा करने की स्थिति में है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 26 फरवरी से शुरू होगी और मतदान 16 मार्च को होगा। दो सीटें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के पास हैं। दोनों मौजूदा सांसद – केंद्रीय मंत्री और 'भारत रत्न' कर्पूरी ठाकुर के पुत्र रामनाथ ठाकुर तथा राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह – लगातार दूसरे कार्यकाल में हैं।

झारखंड : 'डायन' कह कर महिला और उसके एक साल के बच्चे को जिंदा जलाया, चार गिरफ्तार

चाईबासा/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में 'डायन' करार देते हुए 32 वर्षीय एक महिला और उसके एक वर्षीय बच्चे को कथित तौर पर आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार देर रात हुई इस घटना में महिला का पति भी घायल हो गया, लेकिन वह किसी तरह जान बचा कर भाग निकला। पुलिस ने इस संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

घटना के बाद महिला का पति रात में अपने रिश्तेदार के पास रुका और अगली सुबह यानी बुधवार को पुलिस को हमले के बारे में सूचित किया। महिला के पति ने अपनी शिकायत में यह आरोप लगाया है कि आधी रात को कुछ लोगों द्वारा उसे और उसकी पत्नी को पुकारने की आवाज सुनकर उसकी नींद खुली।

शिकायत के अनुसार, जब वह बाहर निकला तो उसने देखा कि करीब एक दर्जन लोग जमा थे और उसकी पत्नी पर जादू-टोना करने का आरोप लगा रहे थे। हंगामे के बीच, भीड़ ने उसकी पत्नी पर केरोसिन डाला और उसे आग लगा दी। इस दौरान महिला की गोद में उसका एक साल का बच्चा भी था।

बिजली ग्रिड की स्थिरता में एआई-आधारित प्रौद्योगिकियों की अहम भूमिका : प्रल्हाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को कहा कि देश में तेजी से जुड़ रही नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के बीच ग्रिड स्थिरता बनाए रखने और बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारने में कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित प्रौद्योगिकियां अहम भूमिका निभा सकती हैं।

जोशी ने यहां आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन' से इतर कहा कि देश में गीगावाट स्तर पर सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाएं जुड़ रही हैं। उन्होंने कहा, कभी सौर घंटे के दौरान उत्पादन अधिक होता है तो कभी मौसम के कारण बिजली उत्पादन घट जाता है। ऐसे में ग्रिड स्थिरता चुनौती बन सकती है। उन्होंने इस बारे में कहा, हवा हर समय नहीं चलती है और सूरज भी 24 घंटे नहीं चमकता है। ऐसे में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से अधिक और कम उत्पादन के दौरान ग्रिड प्रबंधन के लिए एआई-आधारित प्रौद्योगिकी और 'डिजिटल ट्विंस' (वास्तविक प्रणाली की आभासी प्रतिकृति) उपयोगी हो सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने 'कर्टेलमेंट' की समस्या का भी जिक्र किया। कर्टेलमेंट का मतलब पवन या सौर संयंत्रों से उपलब्ध स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को घटाना है, जिससे पूरी बिजली ग्रिड में नहीं डाली जा पाती।

बिहार में अवैध आग्नेयास्त्र फैक्टरी का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। बिहार के भागलपुर जिले में अवैध आग्नेयास्त्र फैक्टरी का भंडाफोड़ कर इस संबंध में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कोलकाता पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, कोलकाता पुलिस के विशेष कार्यबल और बिहार पुलिस के एक संयुक्त दल ने मधुसूदनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहमतबाग गांव में एक घर पर छापा मारा और फैक्टरी का पता लगाया। मकान की पहली मंजिल पर यह फैक्टरी चल रही था जबकि भूतल पर इसे छिपाने के लिए एक कताई मिल स्थापित की गई थी। इसमें कहा गया, अभियान के दौरान इकाई के एक सह-मालिक और चार कुशल हथियार कारीगर को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 20 अर्ध-निर्मित 7.65 एमएम देसी पिस्तौल, पिस्तौल के आठ नाल, एक खराद मशीन और बड़ी मात्रा में औजार एवं कच्चा माल बरामद किया गया है।

भाई-भतीजावाद और खुदगर्जी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अभिशाप हैं : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने भाई-भतीजावाद और खुदगर्जी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अभिशाप बताते हुए हरियाणा सरकार की एक आवासीय समिति द्वारा शासी निकाय के एक सदस्य और उनके अधीनस्थ को किए गए दो फ्लैटों का आवंटन रद्द कर दिया है।

न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें आवंटन प्रक्रिया में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया गया था। इसमें कहा गया कि शासी निकाय के एक सदस्य और उसके अधीनस्थ को किए गए आवंटन मनमाने, पक्षपातपूर्ण थे और आवासीय समिति के खुद के पात्रता मानदंडों का उल्लंघन करते हैं। पीठ ने कहा, ''भाई-भतीजावाद और स्वार्थपरता लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रतिकूल हैं, विशेषकर तब जब यह ऐसे समाज के भीतर हो, जिसमें सरकारी सेवा के सदस्य शामिल हों और जो अपने सदस्यों को पारदर्शी आवंटन प्रक्रिया के माध्यम से आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराता हो। न्यायालय ''हुडा, शहरी संपदा और नगर एवं ग्रामीण योजना कर्मचारी कल्याण संगठन'' (एचईडब्ल्यूओ) के सदस्य दिनेश कुमार की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उच्च श्रेणी के दो सुपर डीलक्स फ्लैट के आवंटन को चुनौती दी गई थी।

असम में एसआर का मकसद पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करना व अपात्र को बाहर करना : ज्ञानेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को कहा कि असम में विशेष पुनरीक्षण (एसआर) का एकमात्र मकसद पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना और अपात्र मतदाताओं को सूची से बाहर करना था।

राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए तीन दिवसीय दौरे के समापन पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कुमार ने कहा कि असम में एसआर इसलिए कराया गया क्योंकि यह देश का एकमात्र राज्य है जहां राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा, कानून के अनुसार चुनाव से पहले मतदाता सूची का पुनरीक्षण अनिवार्य है। इसी के तहत 12 राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया गया, जबकि असम में विशेष पुनरीक्षण (एसआर) किया गया। कुमार ने बताया कि असम में यह प्रक्रिया सफल रही और पूरे राज्य के विभिन्न जिलों से केवल 500 लोगों ने अपने नाम शामिल करने या किसी अन्य का नाम हटाने के लिए अपील दायर की। बिहू पर्व से पहले चुनाव कराए जाने की संभावना पर पूछे गए सवाल के जवाब में कुमार ने कहा कि बिहू असम का महत्वपूर्ण त्योहार है और समीक्षा बैठकों के दौरान विभिन्न पक्षों से प्राप्त सभी सुझावों पर विचार करने के बाद ही चुनाव तिथियों पर निर्णय लिया जाएगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए असम दौरे पर आयी थी। उनके साथ निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी मौजूद थे।

ओडिशा में ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस ने पांच को हिरासत में लिया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के राउरकेला शहर में एक ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया गया और इस सिलसिले में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में एक गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए प्लांट साइड, उदितनगर, बोंडामुंडा और रघुनाथपल्ली थानों की टीम ने मंगलवार को एक साथ छापेमारी की।

पुलिस ने बताया कि इस अभियान में कुल 20 लाख रुपए नकद जब्त किए गए और पांच लोगों को हिरासत में लिया गया।

एक अधिकारी ने कहा, ''प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपियों का बेनामी खाताधारकों और हवाला संचालकों के साथ एक नेटवर्क था तथा अवैध धन के लेन-देन के सबूत मिले हैं।''

पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में वित्तीय लेनदेन, बैंक खातों और डिजिटल डेटा की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस रैकेट में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

असम में पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए हर बूथ पर 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का लक्ष्य : नवीन

डिब्रूगढ़ (असम)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को असम में पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए आगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्येक बूथ पर कम से कम 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कांग्रेस पर असम को वोट बैंक की राजनीति के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दल बेचैन है क्योंकि भाजपा सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर निकाल रही है।

अपने दो दिवसीय असम दौरे की शुरुआत करते हुए, नवीन ने यहां एक 'पन्ना प्रमुख सम्मेलन' में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और आगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्येक बूथ पर कम से कम 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कहा, असम में कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति में शामिल है। उनके पास राज्य के लिए कोई नीति, इरादा और क्षमता नहीं था। लेकिन भाजपा के पास ये तीनों गुण हैं और हम जनता के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। नवीन ने दावा किया कि कुछ लोग पूछ रहे हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम से क्यों निकाला जा रहा है।

भाजपा में शामिल होने वाले लोग अपने राजनीतिक सफर में महत्वहीन हो गए : गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने बुधवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने वाले लोग अपने राजनीतिक सफर में महत्वहीन हो गए। गोगोई ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा का भी यही हश्र होगा।

बोरा के 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होने की संभावना है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को हिंदू धर्म पर ''आमने-सामने'' बहस के लिए चुनौती दी, ताकि यह पता चल सके कि धर्म की मूलतत्त्व और सिद्धांतों को कौन बेहतर तरीके से जानता है। उन्होंने कहा, ''भाजपा में शामिल हुए लोग महत्वहीन हो गए। हम सर्वानंद सोनोवाल और कई अन्य लोगों का उदाहरण देख सकते हैं। अगप पार्टी (सोनोवाल की पूर्ववर्ती पार्टी) खत्म होने की कगार पर है। मुझे नहीं लगता कि मुझे भूपेन बोरा के भाजपा में शामिल होने के बारे में विशेष रूप से कुछ कहने की जरूरत है।'' गोगोई ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में मुकाबला असली कांग्रेस और पुरानी कांग्रेस के बीच होगा। उन्होंने कहा, ''भाजपा में पुराने कांग्रेसी नेता भरे पड़े हैं, जो राज्य में कांग्रेस के 15 साल के शासनकाल में सबसे ज्यादा भ्रष्ट थे। असल में, चुनाव में मुकाबला हमारे अपनों के बीच ही होगा।'' असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा बोरा को कांग्रेस का आखिरी हिंदू नेता कहने पर टिप्पणी करते हुए गोगोई ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता शर्मा असम के जिन्ना हैं और उन्हें नेताओं को हिंदू प्रमाणपत्र देना बंद कर देना चाहिए।

कांग्रेस नेता गोगोई ने दावा किया, ''मैं हिमंत विश्व शर्मा को हिंदुत्व पर खुली बहस के लिए चुनौती देना चाहता हूं। देखते हैं कि हिंदू धर्म के बारे में कौन बेहतर और अधिक जानता है। देखते हैं कि क्या वह मेरी चुनौती स्वीकार करने की हिम्मत करते हैं। लेकिन मुझे पता है कि वह इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे।'' गोगोई ने राज्य में कथित गौ तस्करी गिरोहों का हवाला देते हुए शर्मा की हिंदू धर्म के प्रति निष्ठा पर सवाल उठाया।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जो व्यक्ति गौ तस्करी होने देता, उसे बढ़ावा देता है, वह सच्चा हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ''वह (शर्मा) असम के जिन्ना हैं और उन्हें दूसरों को हिंदू प्रमाण पत्र देने का कोई अधिकार नहीं।''

मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम का अभियान बहुत खराब रहा: पोंटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने आईसीसी टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया के बाहर होने के बाद कहा कि यह बहुत खराब अभियान रहा और मौजूदा टीम में वह चमक नहीं है जो वैश्विक टूर्नामेंट में पिछली टीमों में हुआ करती थी।

आईसीसी 'रिव्यू' में पोंटिंग ने कहा कि कागज पर यह टीम उन पिछली ऑस्ट्रेलियाई टीम जैसी प्रभावशाली नहीं दिखती जिन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट में दबदबा बनाया था। पोंटिंग ने कहा, ''जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई टीम को कागज पर देखते हैं, तो उसमें वह आभा नजर नहीं आती जो कई अन्य ऑस्ट्रेलियाई टीम में आईसीसी टूर्नामेंट और विश्व कप से पहले दिखाई देती थी। इन टूर्नामेंटों में आगे बढ़ने और जीतने के लिए आपके सर्वश्रेष्ठ और सबसे अनुभवी खिलाड़ियों को बड़े मौकों पर प्रदर्शन करना होता है। ऑस्ट्रेलिया को वह प्रदर्शन नहीं मिला।'' पूर्व कप्तान ने शीर्ष क्रम के निराशाजनक प्रदर्शन की ओर इशारा किया जिसमें तीसरे नंबर पर कैमरन ग्रीन और चौथे नंबर पर टिम डेविड शामिल थे। साथ ही श्रीलंका के खिलाफ मैच में टीम ने

आखिरी ओवरों में 20 रन पर छह विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलिया सुपर आठ में जगह बनाने में विफल रहा क्योंकि उसे जिम्बाब्वे से 23 रन की उलटफेर भरी हार का सामना करना पड़ा। पोंटिंग का मानना है कि इसी हार ने उनका अभियान लगभग खत्म कर दिया। उन्होंने कहा, ''यह सचमुच बहुत खराब अभियान रहा। जिस तरह वे जिम्बाब्वे से हारे, यह वही मैच होगा जिसे वे याद करेंगे और सोचेंगे कि इसी मैच से हमारा विश्व कप खत्म हो गया।''

ऑस्ट्रेलिया का अभियान चोटों की चिंता से शुरू हुआ। जोश हेजलवुड और पैट कमिंस बाहर हो गए थे जबकि टिम डेविड शुरुआत में उपलब्ध नहीं थे। हालांकि पोंटिंग का मानना है कि जिम्बाब्वे से मिली हार ही सबसे ज्यादा खलेगी। पोंटिंग ने स्वीकार किया कि उन्हें उम्मीद थी कि श्रीलंका को उसके घरेलू मैदान पर हराना कठिन होगा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के उनके तरीके की सराहना की। उन्होंने कहा, ''मुझे लगा था कि श्रीलंका को घर में हराना मुश्किल होगा, और वही हुआ। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत अच्छा खेले। उस स्कोर का पीछा करना कभी आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने बेहतरीन तरीके से लक्ष्य हासिल किया।'' पोंटिंग ने कहा कि पूर्व खिलाड़ी निराश जरूर हैं, लेकिन वे मौजूदा टीम की आलोचना नहीं करते। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर हम उनके हारने पर मौजूदा खिलाड़ियों की आलोचना नहीं करते या उनके बारे में नकारात्मक बातें नहीं कहते। हम सिर्फ अपनी टीम को अच्छा करते देखना चाहते हैं।

सुविचार

सब कुछ नहीं मिलता जिंदगी में किसी की 'काश' किसी की 'अगर' रही ही जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य क्रांति का नया अध्याय

राष्ट्रीय राजधानी स्थित भारत मंडपम में 'एआई इंपैक्ट समिट 2026' में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का कमाल पूरी दुनिया ने देखा। अगला एक दशक परिवर्तन की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगा। हर क्षेत्र पर एआई का असर पड़ेगा। यह निर्णायक समय है, जब हम इसके जरिए दशकों या सदियों पुरानी समस्याओं के समाधान ढूंढ़ सकते हैं। साथ ही, अपने अनुभवों से कई देशों को लाभान्वित कर सकते हैं। भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में एआई की सख्त जरूरत है। हमारे वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, चिकित्सा विशेषज्ञों और उद्यमियों को मिलकर ऐसे एआई समाधान ढूंढ़ने चाहिएं, जो गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध करा सकें। कल्पना कीजिए, भारत के पास एक ऐसा शक्तिशाली एआई समाधान हो, जो पलक झपकते ही किसी मरीज की बीमारी का पता लगा ले तो चिकित्सक पर दबाव कितना कम हो सकता है! चीन ने इस दिशा में कुछ प्रगति की है। वहां अस्पतालों में 'एआई चिकित्सक' दिखाई देने लगे हैं। हालांकि अभी इस तकनीक में बहुत विकास की जरूरत है। लोगों के स्वास्थ्य को सिर्फ एआई के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। खासकर जब यह शुरुआती दौर में ही हो। जैसे-जैसे यह तकनीक उन्नत होती जाएगी, इसका प्रदर्शन बेहतर होता जाएगा। अत्यंत कुशल एआई समाधान चिकित्सक की जगह नहीं लेगा, बल्कि उसका साथी बनकर मरीजों की सेवा करेगा। यह तकनीक भविष्य में अस्पतालों को पूरी तरह बदल देने की शक्ति एवं सामर्थ्य रखती है। हो सकता है कि कुछ साल बाद अस्पतालों में ऐसे नजारे आम हों- आज 'क' की तबीयत खराब है। वह अस्पताल गया, जहां चिकित्सक के पास एक 'एआई साथी' बैठा था। उसने हाथ मिलाकर 'क' का अभिवादन किया और आधार डेटा का अवलोकन कर लिया। उसने 'क' का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि चिंता करने की बात नहीं है, अभी समस्या की असल वजह का पता चल जाएगा।

वह सभी लक्षणों पर गौर करते हुए कुछ जरूरी जांच करेगा और बीमारी का पता लगा लेगा। इसके बाद जरूरी दवाइयां बताएगा, जिन पर चिकित्सक की नजर रहेगी। चिकित्सक द्वारा निर्देश दिए जाने के बाद कागज पर पूरा विवरण प्रिंट कर देगा। 'क' के लिए विकल्प रहेगा कि वह हिंदी, अंग्रेजी या किसी भी भाषा में विवरण प्राप्त करे। 'क' को स्वस्थ जीवन के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, अपने भोजन में किन पदार्थों को शामिल करना चाहिए, कितना पानी पीना चाहिए और कितने घंटे सोना चाहिए - यह पूरी जानकारी एआई साथी देगा। यही नहीं, वह 'क' की चिकित्सा रिपोर्टों का विश्लेषण करने के बाद भविष्य में होने वाली कई बीमारियों का पहले ही पता लगाने में सक्षम होगा। वह डराएगा नहीं, बल्कि समझाएगा। उसकी सलाह सुनकर हर मरीज मुस्कुराते हुए अपने घर जाएगा। चिकित्सक का यह साथी बिल्कुल नहीं थकेगा। जब एक चिकित्सक अपनी ड्यूटी के बाद घर जाएगा तो वह उसकी जगह आने वाले दूसरे चिकित्सक के साथ भी इसी तरह पूरी ऊर्जा से काम करेगा। सोचिए, इससे मानवता का कितना कल्याण हो सकता है? हमारे देश के सरकारी अस्पतालों की हालत किसी से छिपी हुई नहीं है। वहां पर्याप्त चिकित्सक न होने के कारण मरीज तो परेशान होते ही हैं, चिकित्सक भी बहुत दबाव में होते हैं। मरीजों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। एक चिकित्सक कितने मरीजों को ध्यान से देखेगा? वह कितने मरीजों को पर्याप्त समय दे सकेगा? सरकारें अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाने के दावे करती हैं, कई सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन अभी सुधार की काफी गुंजाइश है। जब चिकित्सक के साथ ऐसा एआई साथी मोर्चा संभाल लेगा, तब छोटा-सा अस्पताल भी एक दिन में हजारों मरीजों का इलाज करने में सक्षम हो जाएगा। इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। भारत को तेजी से आगे बढ़ना होगा।

ट्वीटर टॉक

माँ काली के अनन्य उपासक महान संत रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। 'स्वामी जी' की अमृतमयी शिक्षाएं मानव समाज को सदाचार, सद्भाव और लोक-कल्याण के पथ पर चलने हेतु प्रेरित करते रहेंगे।

-योगी आदित्यनाथ

राजस्थान के भूतपूर्व मुख्यमंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री जय नारायण व्यास जी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ। प्रदेश के विकास एवं जनता की खुशहाली के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे।

-सचिन पायलट

टोंक में एक विवाह समारोह के दौरान हुई हृदयविदारक दुर्घटना में दो मासूम बच्चों के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को इस कठिन घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करें।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

गणित के संन्यासी

यह प्रसंग उस समय का है जब प्रोफेसर हरीश चंद्र कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में महान भौतिक विज्ञानी पॉल डिराक के विद्यार्थी थे। एक दिन उन्होंने देखा कि डिराक भौतिकी की समस्याओं को हल करने के लिए जिन तर्कों का उपयोग कर रहे थे, वे गणित के दृष्टिकोण से पूरी तरह ठोस नहीं थे। प्रोफेसर हरीश चंद्र ने उनसे पूछा, 'क्या यह समीकरण गणितीय रूप से हर स्थिति में सही है?' इस पर डिराक ने जवाब दिया, 'मुझे बस इस बात में दिलचस्पी है कि क्या यह प्रकृति के अनुरूप काम करता है और उसके अनुसार सही है।' प्रोफेसर हरीश चंद्र को डिराक की यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने महसूस किया कि भौतिकी में कई बार अनुमान लगाने पड़ते हैं, जबकि उनका मन ऐसी पूर्णता चाहता था, जहां कोई संदेह न बचे। इसी सटीकता की तलाश में उन्होंने गणित को ही अपना कार्यक्षेत्र बना लिया। उन्होंने गणित में 'प्रेजेंटेशन थ्योरी' और 'हार्मोनिक एनालिसिस' के क्षेत्र में ऐसे कार्य किए, जिसे पूरी दुनिया के गणितज्ञों ने एक चमत्कार माना। प्रोफेसर हरीश चंद्र गणित में इतने खोए रहते थे कि वे आधी रात को भी ब्लैकबोर्ड पर समीकरण लिखते हुए पाए जाते थे।

सामयिक

एआई से मजबूत होगी भारत की कूटनीति

सत्य प्रकाश

मोबाइल : 9968289271

भारत ने वैश्विक प्रभाव बढाते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक को सब देशों के लिए सुलभ बनाने के प्रयास शुरु कर दिये हैं। कई देशों,विशेष रूप से ग्लोबल साउथ (विकासशील और कम आय वाले देशों) के लिए एआई का प्रयोग तकनीक को डेमोक्रेटाइज करना, डेटा प्रबंधन, सक्षम कंप्यूटर और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे बुनियादी संसाधनों तक निष्पक्ष और सस्ती पहुंच पर निर्भर करता है। इस चुनौती से निपटने के लिए एक समन्वित वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 इस दिशा में बडा कदम है। इसमें तकरीबन 20 राष्ट्राध्यक्ष, 50 से अधिक देशों के मंत्री और 100 से अधिक वैश्विक एवं भारतीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एक साथ आ रहे हैं। डेमोक्रेटाइज़िंग एआई रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप एक विशेष पहल है। भारत, मिस्र और केन्या की सह-अध्यक्षता वाला यह समूह, साझा पहुंच, सहयोग और क्षमता निर्माण से एक अधिक समावेशी और संतुलित वैश्विक एआई परिवेश पर जोर देता है।

यह कार्य समूह यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि एआई के आवश्यक संसाधन सबके लिए सुलभ और सस्ते हों, ताकि सभी देश अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार एआई के विकास, उपयोग और इसे लागू कर सके। यह समूह एआई संसाधनों को ग्लोबल पब्लिक गुड्स के रूप में सुलभ और सस्ता बनाने और डिस्ट्रिब्यूटेड एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और ओपन इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की सुविधा प्रदान करने पर बल देता है। इसके अलावा लोकल एआई परिवेश को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण और ज्ञान के आदान-प्रदान का सहयोग करना इसकी प्राथमिकता में है।

भारत का एआई को सबके लिए सुलभ बनाने का दृष्टिकोण यह दिखाता है कि स्केल, इनक्लूजन और इनोवेशन एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। अफोर्डेबिलिटी, ओपननेस और ट्रस्ट पर ध्यान केंद्रित करने से यह सुनिश्चित होता है कि एआई का लाभ किसानों, छात्रों, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स और सार्वजनिक संस्थानों तक समान रूप से पहुँचे। भारत ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं के अनुरूप एक मॉडल पेश करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत की विकास यात्रा का एक केंद्रीय स्तंभ बन गया है। यह गवर्नेंस को सुदृढ़ कर रहा है, सार्वजनिक सेवाओं के वितरण में सुधार ला रहा है और ऐसे समाधानों को सक्षम बना रहा है जो व्यापक स्तर पर नागरिकों तक पहुँच सकें। मानव प्रगति को हमेशा तकनीक ने आकार दिया है। बिजली ने दैनिक जीवन और कार्यशैली को बदला, कंप्यूटर ने सूचनाओं के प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के तरीके को बदल दिया, इंटरनेट ने सीमाओं के पार लोगों और प्रणालियों को जोड़ा और मोबाइल फोन ने तकनीक को सीधे नागरिकों के हाथों में पहुँचा दिया। एआई इन्हीं आधारों पर निर्मित हुआ है और अब कृषि, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, मैन्युफैक्चरिंग, जलवायु संरक्षण और गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों को बदलने

के लिए साथ मिलकर काम कर रहा है। भारत के लिए, एआई सबकी पहुँच में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य है कि इसके लाभ व्यापक रूप से साझा किए जाएँ और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हों।

एआई को आम जन के लिए सुलभ कराना मुख्य रूप से कंप्यूटिंग शक्ति, डेटा रिपॉजिटरी और मॉडल इकोसिस्टम तक समान पहुँच पर निर्भर करता है। आज के समय में ये संसाधन ही यह तय करते हैं कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में कौन नवाचार कर सकता है, कौन प्रतिस्पर्धा में टिक सकता है और कौन प्रभावी ढंग से गवर्नेंस कर सकता है। भारत का विकास-केंद्रित दृष्टिकोण एआई रणनीति के मूल में इस सुलभता को रखता है। ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला यह पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है। एआई के डेमोक्रेटाइजेशन का अर्थ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को उपयोगकर्ताओं के एक विस्तृत और विविध वर्गों के लिए सुलभ, किफायती और उपयोगी बनाना है। डेमोक्रेटाइजेशन का तात्पर्य आर्थिक अवसरों को बढ़ाना भी है। यह गति भारत के कार्यबल में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जहाँ तकनीकी और एआई इकोसिस्टम में 60 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। अक्टूबर 2025 में जारी नीति आयोग की रिपोर्ट एआई फॉर इनक्लूसिव सोसाइटल डेवलपमेंट में कहा गया है कि एआई सर्विसेज, मार्केट और वित्तीय प्रणालियों तक पहुँच बढ़ाकर भारत के 49 करोड़ अनौपचारिक श्रमिकों को सशक्त बना सकता है।

प्रमुख क्षेत्रों में एआई एप्लीकेशन पहले से ही बदलाव ला रहे हैं। कृषि के क्षेत्र में, एआई मौसम का पूर्वानुमान लगाकर, कीटों के खतरों की पहचान कर और सिंचाई एवं बुआई के निर्णयों में मार्गदर्शन देकर किसानों की मदद कर रहा है। किसान ई-मित्र जैसे प्लेटफॉर्म सरकारी योजनाओं तक पहुँच को सरल बनाते हैं, जबकि नेशनल पेस्ट सर्विलांस सिस्टम और क्रॉप हेल्थ मॉनिटरिंग उपग्रह और मौसम डेटा का उपयोग करके फसलों की रक्षा करते हैं और इनकम सिक्योरिटी में सुधार करते हैं। स्वास्थ्य सेवा में, एआई बीमारियों का जल्द पता लगाने में सक्षम बनाता है, मेडिकल इमेजरी (जैसे एक्स-रे, एमआरआई) के विश्लेषण में सहायता करता है और टेलीमेडिसिन सेवाओं को मजबूत करता है, जिससे ग्रामीण मरीजों को विशेषज्ञों से जोड़ा जा रहा है और इलाज की गुणवत्ता और पहुँच बेहतर हो रही है।

मंथन

न्यूज़ चैनलों पर हेट स्पीच का भोकाल

बाल मुकुन्द ओझा

देश की सर्वोच्च अदालत ने एक बार फिर हेट स्पीच कर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने कहा, सियासी दलों को अपने नेताओं पर लगाम लगानी चाहिए और मीडिया को भी ऐसे नफरती भाषणों को बार-बार दिखाने से बचना चाहिए। देश के बहुत से लोगों ने आजकल टीवी देखना लगभग बंद कर दिया है। इसका एक बड़ा कारण हमारे स्वनामधन्य न्यूज़ चैनल है। टीवी पर जैसे ही आप देश और दुनिया के ताज़ा हालचाल जानने के लिए न्यूज़ सुनना चाहेंगे तो आपका दिल और दिमाग झनझना उठेगा। एक दूसरे को गाली का सम्बोधन जैसे आम हो गया है। देश के नामी गिरामी न्यूज़ चैनलों पर अभद्रता, गाली गलौज और मारपीट की घटनाएं अब आम हो गई है। न्यूज़ चैनल्स की डिबेट्स की भाषाई मर्यादाएं और गरिमा तार तार हो रही है। ऐसा लगता है डिबेट्स में झूठ और नफरत का खुला खेल खेला जा रहा है। डिबेट्स और चैनलों का ये गिरता स्तर लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। प्रमुख पार्टियों के प्रवक्ता जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रहे है वह निश्चय ही निंदनीय और शर्मनाक है। देश में कुकुरमुत्तों की तरह न्यूज़ चैनलों की बाढ़ सी आ गई है। इन चैनलों पर प्रतिदिन देश में घटित मुख्य घटनाओं और नेताओं की बयानबाजी पर टीका टिप्पणियों को देखा और सुना जा सकता है। राजनीतिक पार्टियों के चयनित प्रवक्ता और कथित विशेषज्ञ इन सियासी बहसों में अपनी अपनी पार्टियों का पक्ष रखते है। न्यूज़ चैनलों पर इन दिनों जिस प्रकार के आरोप प्रत्यारोप और नफरती बोल सुने जा रहे है उससे लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ते देखा जा सकता है। बड़े बड़े और धमाकेदार शीर्षकों वाली इन बहसों को सुनकर किसी मारधाड़ वाली फिल्मों की यादें जाग्रत हो उठती है। एंकर भी इनके आगे असहाय नज़र आते है। कई बार छीना झपटी, गाली गलौज और मारपीट की नौबत आ जाती है। सच तो यह है जब से टीवी न्यूज़ चैनलों ने हमारी जिंदगी में दखल दिया है तब से हम एक दूसरे के दोस्त कम दुश्मन अधिक बन रहे है। समाज में भाईचारे के स्थान पर घृणा का वातावरण ज्यादा व्याप्त हो रहा है। बहुत से लोगों ने मारधाड़ वाली और डरावनी बहसों को न केवल देखना बंद कर दिया है अपितु टीवी देखने से ही तौबा कर लिया है। लोगों ने एक बार फिर इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की ओर लौटना शुरू कर दिया है। आज भी अखबार की साख और विश्वसनीयता अधिक प्रामाणिक समझी जा रही है। डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की अपेक्षा आज भी प्रिंट मीडिया पर लोगों की विश्वसनीयता बरकरार है। आज भी लोग सुबह सवेरे टीवी न्यूज़ नहीं अपितु अखबार पढ़ना पसंद करते है। प्रबुद्ध वर्ग का कहना है प्रिंट मीडिया आज भी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रहा है।

नफरत और घृणा के इस महासागर में सभी सियासी पार्टियां डुबकी लगा रही है। न्यूज़ चैनलों पर विभिन्न सियासी दलों के प्रतिनिधि जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते है उन्हें देखकर लगता नहीं है की यह गाँधी, सुभाष, नेहरू, लोहिया और अटलजी का देश है। देश की सर्वोच्च अदालत कई बार इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर नियामकीय नियंत्रण की कमी पर अफसोस ज़ाहिर कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने नेताओं के भाषण और टीवी चैनलों को नफरती भाषण फैलाने का जिम्मेदार ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच मामले में कई बार टेलीविजन चैनलों को जमकर फटकार लगाई।

गंगा जमुनी तहजीब से निकले भारतीय घृणा के इस तूफान में बह रहे हैं। विशेषकर नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद घृणा और नफरत के तूफानी बादल गहराने लगे है। हमारे नेताओं के भाषणों, वक्तव्यों और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुचिता के स्थान पर नफरत, झूठ, अपशब्द, तथ्यों में तोड़-मरोड़ और असंसदीय भाषा का प्रयोग धड़ल्ले से होता देखा जा सकता हैं। हमारे नेता अब आए दिन सामाजिक संस्कारों और मूल्यों को शर्मसार करते रहते हैं। स्वस्थ आलोचना से लोकतंत्र सशक्त, परंतु नफरत भरे बोल से कमजोर होता है, यह सर्व विदित है। आलोचना का जवाब दिया जा सकता है, मगर नफरत के आरोपों का नहीं।

नजरिया

शिवाजी महाराज : एक अजेय योद्धा और आदर्श सुशासन के प्रणेता

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारतीय इतिहास के फलक पर छत्रपति शिवाजी महाराज एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र हैं, जिनकी चमक सदियों बाद भी धुंधली नहीं हुई है। उनका जीवन केवल एक राजा की विजय गाथा नहीं, बल्कि एक दबे-कुचले समाज के आत्मसम्मान की वापसी का महाकाव्य है। 17वीं शताब्दी का वह कालखंड जब संपूर्ण भारत विदेशी आक्रांताओं के पैरों तले रौंदा जा रहा था, उत्तर में मुगलों का कट्टर शासन था और दक्षिण में बीजापुर व गोलकुंडा की सल्तनतें अपनी जड़ें जमाए हुए थीं, उस अंधकारमय समय में शिवाजी ने 'स्वराज्य' की मशाल जलाई। 19 फरवरी 1630 को शिवनेरी दुर्ग में जन्में इस बालक के भाग्य में केवल जागीरदारी भोगना नहीं, बल्कि एक नए राष्ट्र का निर्माण करना लिखा था। उनकी माता जीजाबाई ने उनके बाल मन में रामायण और महाभारत के पात्रों के माध्यम से जो संस्कार बोए, उन्होंने शिवाजी को केवल एक योद्धा नहीं बल्कि एक धर्मनिष्ठ और नीतिवान शासक बनाया। पिता शाहजी भोंसले की सैन्य प्रतिभा और माता के आध्यात्मिक मार्गदर्शन ने उन्हें वह दृष्टि दी जिससे उन्होंने समझ लिया था कि गुलामी की बेड़ियाँ केवल तलवार से नहीं, बल्कि संगठित शक्ति और स्वाभिमान से टूटती हैं। शिवाजी का बचपन पुणे के मावल क्षेत्र की पहाड़ियों में बीता, जहाँ उन्होंने प्रकृति के साथ-साथ वहां के सीधे-सादे मावलों के हृदय को भी जीता। इन्हीं मावलों को उन्होंने अपनी सेना की रीढ़ बनाया और उन्हें सिखाया कि स्वराज्य के लिए मरना नहीं, बल्कि लड़कर जीतना ही एकमात्र विकल्प है।

शिवाजी महाराज की सैन्य प्रतिभा का पहला परिचय तब मिला जब मात्र 16 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने तोरण दुर्ग पर अधिकार कर लिया। यह उस समय की महान शक्तियों को एक स्पष्ट चुनौती थी। उन्होंने धीरे-धीरे चाकन, कोंडाणा और पुरंदर जैसे किलों को अपने अधिकार में लेकर अपनी शक्ति का विस्तार करना शुरू किया। उनकी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा था 'गनिमी कावा' यानी छापामार युद्ध पद्धति। वे जानते थे कि मुगलों और आदिलशाही की विशाल सेनाओं का सामना खुले मैदान में करना आत्मघाती होगा, इसलिए उन्होंने सह्याद्रि की दुर्गम पहाड़ियों को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी सेना छोटी थी लेकिन अत्यंत तीव्रगामी और अनुशासित थी। शिवाजी ने किलों के महत्व को बखूबी समझा था, उनका मानना था कि जिसके पास दुर्ग है, उसी के पास भूमि है। इसीलिए उन्होंने न केवल पुराने किलों की मरम्मत करवाई बल्कि रायगढ़ और सिंधुदुर्ग जैसे अजेय किलों का निर्माण भी कराया। बीजापुर के सेनापति अफजल खान के साथ उनका मुकाबला इतिहास का एक ऐसा अध्याय है जो उनकी वीरता और बुद्धिमत्ता दोनों को दर्शाता है। जब अफजल खान ने छल से उन्हें मारने का प्रयास किया, तो शिवाजी ने अपने बाघनख से उसका अंत कर दिया। इस घटना ने पूरे दक्षिण भारत में यह संदेश फैला दिया कि अब विदेशी आक्रांताओं का काल आ चुका है।

शिवाजी महाराज केवल एक विजेता नहीं थे, वे एक महान दृष्टा थे। उन्होंने भांप लिया था कि भारत की लंबी समुद्री सीमा की रक्षा किए बिना स्वराज्य कभी सुरक्षित नहीं रह सकता। उस समय सिद्दी, पुर्तगाली और अंग्रेज समुद्र के रास्ते भारत में घुसपैठ कर रहे थे। शिवाजी ने एक शक्तिशाली नौसेना का गठन किया, जिसके कारण उन्हें 'भारतीय नौसेना का जनक' कहा जाता है। उन्होंने समुद्र के बीचों-बीच किलों का निर्माण करवाया ताकि समुद्री लुटेरों और विदेशी व्यापारियों की मनमानी पर अंकुश लगाया जा सके। उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण यह भी था कि उन्होंने कभी भी युद्ध को धर्म युद्ध का नाम देकर निरपराधों पर अत्याचार नहीं किया। उनके शासन में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि था। कल्याण के सूबेदार की बहू का उदाहरण विश्वविख्यात है, जिसे बंदी बनाकर लाए जाने पर शिवाजी ने उसे सम्मान सहित वापस भेजा और कहा कि काश मेरी माता भी आपकी तरह सुंदर होतीं तो मैं भी सुंदर होता। यह उनके चरित्र की पराकाष्ठा थी जिसने उन्हें 'जानता राजा' यानी प्रजा के सुख-दुख को समझने वाला राजा बनाया।

औरंगजेब जैसे शक्तिशाली मुगल सम्राट के साथ शिवाजी का संघर्ष भारतीय इतिहास का सबसे रोमांचक हिस्सा है। आगरा के किले में शिवाजी को नजरबंद करना औरंगजेब की बड़ी भूल साबित हुई। जिस तरह से शिवाजी मिठाई के टोकरे में छिपकर अपने पुत्र संभाजी के साथ वहां से सुरक्षित निकले, उसने मुगलों के अहंकार को मिट्टी में मिला दिया। महाराष्ट्र लौटकर उन्होंने अपनी शक्ति को पुनः संगठित किया और एक-एक करके अपने खोए हुए किलों को वापस जीता। 6 जून 1674 को रायगढ़ के दुर्ग में उनका राज्याभिषेक हुआ। यह केवल एक व्यक्ति का राज्याभिषेक नहीं था, बल्कि हिंदवी स्वराज्य की विधिवत स्थापना थी। उन्होंने 'छत्रपति' की उपाधि धारण की और सिद्ध किया कि भारत की संतानें अपना भाग्य स्वयं लिखने में सक्षम हैं। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना की, जो आधुनिक समय के मंत्रिमंडल जैसा ही था। इसमें प्रशासन के विभिन्न विभागों के लिए विशेषज्ञ मंत्री नियुक्त किए गए थे। उन्होंने भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त नियम बनाए और यह सुनिश्चित किया कि किसानों को उनकी उपज का सही दाम मिले।

शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था में जाति और पंथ के आधार पर कोई भेदभाव नहीं था। उनकी सेना में मुसलमान भी उच्च पदों पर आसीन थे और उनके तोपखाने का प्रमुख इब्राहिम खान था। उन्होंने हमेशा योग्यता को प्राथमिकता दी। उन्होंने स्वराज्य की राजभाषा के रूप में मराठी और संस्कृत को बढ़ावा दिया और 'राज्य व्यवहार कोष' तैयार करवाया ताकि प्रशासनिक शब्दावली से विदेशी शब्दों का प्रभाव कम किया जा सके। उनकी न्याय व्यवस्था त्वरित और निष्पक्ष थी। वे अपने सैनिकों को लूट पर निर्भर रहने के बजाय सरकारी खजाने से नकद वेतन देते थे, जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। पर्यावरण के प्रति भी उनकी संवेदनशीलता अनुकरणीय थी; उन्होंने स्पष्ट आदेश दिए थे कि किलों या जहाजों के निर्माण के लिए फलदार वृक्षों को न काटा जाए और वनों का संरक्षण किया जाए। शिवाजी महाराज का जीवन चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी धैर्य नहीं खोया। उनके लिए स्वराज्य का अर्थ केवल भौगोलिक सीमाएं जीतना नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता प्राप्त करना था। समर्थ रामदास और संत तुकाराम जैसे संतों का उन पर गहरा प्रभाव था, जिन्होंने उनके भीतर राष्ट्रभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ किया। 3 अप्रैल 1680 को मात्र 50 वर्ष की आयु में उनका देहावसान हो गया, लेकिन उनके द्वारा बोया गया स्वराज्य का बीज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका था। उनकी मृत्यु के बाद भी मराठों ने औरंगजेब के खिलाफ 27 वर्षों तक स्वतंत्रता का युद्ध लड़ा और अंततः मुगलों की कमर तोड़ दी। शिवाजी का व्यक्तित्व एक ऐसे आदर्श शासक का है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। वे एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार हैं-अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का विचार, आत्मसम्मान के साथ जीने का विचार और राष्ट्र की सेवा में सर्वस्व अर्पण करने का विचार। आज भी जब हम उनके जीवन का अध्ययन करते हैं, तो पाते हैं कि उनकी नीतियां, चाहे वह जल प्रबंधन हो, सैन्य रणनीति हो या सुशासन, आज के आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम भारतीय इतिहास के पन्नों पर ही नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है, जो हमें सदैव यह याद दिलाता रहेगा कि संकल्प यदि दृढ़ हो और उद्देश्य पवित्र, तो कोई भी बाधा हमें हमारे लक्ष्य तक पहुँचने से नहीं रोक सकती।

शिवाजी महाराज की विरासत को किसी एक क्षेत्र या भाषा तक सीमित नहीं किया जा सकता। वे पूरे भारत के गौरव हैं। उनके द्वारा स्थापित परंपराओं ने ही आगे चलकर बाजीराव पेशवा और अन्य महान सेना नायकों को जन्म दिया जिन्होंने अटक से कटक तक भगवा ध्वज फहराया। आधुनिक भारत में भी जब हम अपनी नौसेना के ध्वज को देखते हैं, तो उसमें शिवाजी महाराज की शाही मुहर का प्रभाव दिखाई देता है। वे एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने गुलाम मानसिकता को उखाड़ फेंका और भारत को उसकी खोई हुई पहचान वापस दिलाई। उनका जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति और भक्ति का संगम ही राष्ट्र को परम वैभव तक ले जा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जलवायु परिवर्तन से दुनिया की कॉफी आपूर्ति पर पड़ रहा बुरा असरः रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान और अनियमित मौसम का दुनिया के प्रमुख कॉफी उत्पादक क्षेत्रों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। ऊंचे तापमान और सूखे की स्थिति से कॉफी की उपज घट रही है, जिससे इस लोकप्रिय पेय की कीमतें बढ़ रही हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।कॉफी दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली गैर-अल्कोहल पेय में से एक है। हर दिन लगभग 2.2 अरब कप कॉफी पी जाती है। अकेले अमेरिका में ही कम-से- कम दो-तिहाई वयस्क रोज कॉफी पीते हैं। वैज्ञानिकों एवं जलवायु शोधकर्ताओं के 'गैर-लाभकारी समूह' क्लाइमेट सेंट्रल के एक विश्लेषण के मुताबिक, दुनिया की कॉफी आपूर्ति पर दबाव बढ़ रहा है और जलवायु परिवर्तन इसमें अहम भूमिका निभा रहा है।

क्लाइमेट सेंट्रल ने वर्ष 2021 से वर्ष 2025 तक के तापमान का विश्लेषण कर कार्बन प्रदूषण से रहित एक काल्पनिक दुनिया से उनकी तुलना की। विश्लेषण में हर साल उन अतिरिक्त दिनों की गिनती की गई, जब जलवायु परिवर्तन से बड़े कॉफी उत्पादक देशों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया।इस रिपोर्ट में बताया गया है कि कम फसल और बढ़ी कीमतों का सबसे ज़्यादा असर छोटे कॉफी उत्पादकों पर पड़ता है।

दुनिया के शीर्ष पांच कॉफी उत्पादक देशों- ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इथियोपिया एवं इंडोनेशिया पर जलवायु परिवर्तन का दबाव बढ़ता जा रहा है। इन देशों की वैश्विक कॉफी आपूर्ति में करीब 75 प्रतिशत हिस्सेदारी है लेकिन अब औसतन वर्ष में 144 दिनों से अधिक समय तक ऐसी गर्मी झेल रहे हैं जो कॉफी की फसल के लिए नुकसानदेह है।रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव न होता तो ऐसे अत्यधिक गर्म दिनों की संख्या हर वर्ष लगभग 57 दिन कम होती।

स्वागत

यूनियन हेल्थ मिनिस्टर जे. पी. नड्डा ने बुधवार को नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों का स्वागत किया।

पृथ्वी की कक्षा में बढ़ते उपग्रहों से संकट की आशंका, व्यापक नियमन की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रेजिना (कनाडा)।पृथ्वी की कक्षा में तेजी से बढ़ती उपग्रहों की संख्या को लेकर वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि यदि प्रभावी नियमन नहीं किया गया तो अंतरिक्ष में उपग्रहों की टक्कर होने और पर्यावरणीय क्षति का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। वैज्ञानिकों और विधि विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि समय रहते ठोस नीतिगत कदम उठाकर स्थिति को संभाला जा सकता है।

अमेरिका के संघीय संचार आयोग (एफसीसी) के समक्ष 30 जनवरी 2026 को स्पेस एक्स ने समक्ष अंतरिक्ष में डेटा केंद्रों को संचालित करने के लिए अधिकतम 10 लाख उपग्रहों को भेजने की अनुमति के लिए आवेदन दायर किया। प्रस्तावित योजना के तहत 500 से 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच निम्न पृथ्वी कक्षा में उपग्रह स्थापित किए जाएंगे। कुछ कक्षाएं लगभग निरंतर सूर्य प्रकाश में रहने के लिए डिजाइन की गई हैं। इस प्रस्ताव पर फिलहाल सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित हैं।

फरवरी 2026 तक पृथ्वी की कक्षा में करीब 14,000 सक्रिय उपग्रह मौजूद हैं, जबकि लगभग 12.3 लाख प्रस्तावित उपग्रह परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा स्वीकृति प्रक्रिया मुख्यतः तकनीकी पहलुओं, जैसे रेडियो आवृत्तियों और प्रक्षेपण सुरक्षा, तक सीमित है। सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और व्यापक पर्यावरणीय प्रभावों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता।

विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी बड़ी संख्या में उपग्रहों की तैनाती से रात का आकाश स्थायी रूप से बदल सकता है। निम्न पृथ्वी कक्षा के उपग्रह सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले लगभग दो घंटे तक सूर्य का प्रकाश परावर्तित करते हैं। खगोलविदों ने 2021 में अनुमान लगाया था कि एक दशक से भी कम समय में रात के आकाश में दिखाई देने वाले हर 15 प्रकाश बिंदुओं में से एक गतिशील उपग्रह हो सकता है। उस समय यह अनुमान 65,000 प्रस्तावित उपग्रहों पर आधारित था।

विशेषज्ञों ने 'केसलर सिंड्रोम' के खतरे की भी चेतावनी दी है, जिसमें एक टक्कर से मलबे की शृंखला बनती है तथा आगे और टक्कर होती जाती हैं। वर्तमान में कक्षा में 10 सेंटीमीटर या उससे बड़े आकार के लगभग 50,000 मलबे के टुकड़े मौजूद हैं। आंकड़ों के अनुसार, यदि टक्कर-रोधी उपाय बंद कर दिए जाएं तो कुछ ही दिनों में बड़ी टक्कर संभव है।

इसके अलावा, बड़ी संख्या में उपग्रहों के प्रक्षेपण से जीवाश्म ईंधन की खपत बढ़ेगी और ओजोन परत को नुकसान पहुंच सकता है। सेवा-समाप्ति के बाद उपग्रहों को वायुमंडल में जलाने से धातुओं का जमाव बढ़ेगा, जिससे रासायनिक प्रतिक्रियाएं तेज हो सकती हैं।

सलीम खान की नहीं हुई सर्जरी, डॉक्टर बोले- 'मिनिमल ब्रेन हेमरेज हुआ था, डीएसए प्रक्रिया से की गई जांच'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज लेखक और सलमान खान के पिता सलीम खान की तबीयत को लेकर लगातार अपडेट सामने आ रहे हैं। वह मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में भर्ती हैं। इस कड़ी में डॉक्टरों ने उनकी हेल्थ अपडेट साझा की है। डॉक्टरों के अनुसार, सलीम खान को मिनिमल ब्रेन हैमरेज हुआ था, लेकिन राहत की बात यह है कि इसमें सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ी। उम्र ज्यादा होने की वजह से उनकी रिकवरी थोड़ी धीमी है, लेकिन हालत में लगातार सुधार देखा जा रहा है। लीलावती अस्पताल में उनका इलाज कर रहे वरिष्ठ डॉक्टर जलील पारकर ने बताया कि सलीम खान को मिनिमल ब्रेन हेमरेज हुआ था। ऐसे मामलों में आमतौर पर सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती। उनकी डिजिटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी (डीएसए) की प्रक्रिया की गई है। यह एक ऐसी जांच प्रक्रिया है जिससे दिमाग की नसों की स्थिति को समझा जाता है और रक्त प्रवाह संबंधी समस्या का पता लगाया जाता है। डॉक्टर जलील पारकर के अनुसार, फिलहाल सलीम खान को वेंटिलेटर पर रखा गया है। सेहत को ध्यान में रखते हुए वेंटिलेटर सपोर्ट हटाने और आईसीयू से बाहर शिफ्ट करने पर विचार किया जाएगा। उनका ब्लड प्रेशर भी काफी हाई पाया गया था। अब उनकी स्थिति पहले से बेहतर है और वे धीरे-धीरे रिकवर कर रहे हैं।

फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के खिलाफ संभल में प्रदर्शन

संभल (उप्र)/भाषा

फिल्म ''यादव जी की लव स्टोरी'' के खिलाफ संभल जिले में यादव समुदाय के लोगों ने बुधवार को प्रदर्शन किया और कहा कि यह फिल्म सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने के साथ-साथ समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है। गंवा मार्ग पर खिरनी क्रॉसिंग के पास हुए इस प्रदर्शन के दौरान विभिन्न गांवों के लोगों ने सांकेतिक विरोध के तौर पर फिल्म के पोस्टर जलाए और फिल्म की रिलीज पर तुरंत प्रतिबंध लगाने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल देवेंद्र यादव ने कहा कि भारत भाईचारे का देश है और ऐसी फिल्म सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ेगी और अशांति पैदा करेगी। एक अन्य प्रदर्शनकारी बृजेश यादव ने कहा कि वह फिल्म के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, ''हम फिल्म के खिलाफ उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय का दरवाजा भी खटखटा रहे हैं। हम 21 फरवरी को जिला स्तर पर एक ज्ञापन देंगे और रैली निकालेंगे। फिल्म के निर्माता और निर्देशक को इस फिल्म की रिलीज रोक देनी चाहिए क्योंकि यह यादव समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाती है। अगर इसे नहीं रोका गया तो हम बड़ा आंदोलन करेंगे।''

प्रदर्शनकारी जीत पाल ने दावा किया कि फिल्म में ऐसी घटनाएं दिखाई गई हैं जो कभी हुईं ही नहीं और वे यादव समुदाय को गलत तरीके से निशाना बनाती हैं। फिल्म निर्माताओं की तरफ से इस सिलसिले में अभी कोई बयान नहीं आया है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि विरोध शांतिपूर्ण रहा और किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है। हाल ही में फिल्म ''घूसखोर पंडत'' के शीर्षक को लेकर भी विवाद हुआ था। इसे रिलीज करने जा रहे ओटीटी प्लेटफॉर्म ने दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा था कि इस फिल्म का नाम बदला जाएगा। फिल्म के खिलाफ दायर एक याचिका में आरोप लगाया गया था कि यह शीर्षक आपत्तिजनक और मानहानिकारक है।

'खून भरी मांग' से मिली पहचान पर कम हाइट ने एक्ट्रेस सोनू वालिया को किया फिल्म इंडस्ट्री से आउट

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में 80 से 90 के दशक में कई बड़ी अभिनेत्रियों ने पर्दे पर राज किया, लेकिन कुछ अभिनेत्रियां ऐसी थीं जिन्हें सफलता तो मिली लेकिन उसकी समय-सीमा बहुत कम थी। हम बात कर रहे हैं फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स रह चुकी सोनू वालिया की, जिन्होंने पर्दे पर बड़े स्टार्स के साथ काम किया, लेकिन उनकी लंबाई ही उनके करियर का फुलस्टॉप बन गई। 19 फरवरी को अभिनेत्री अपना 62वां जन्मदिन मना रही हैं। सोनू ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दीं, लेकिन उन्हें पहचान 'खून भरी मांग' से मिली। फिल्म में रेखा, कबीर बेदी और कादर खान जैसे बड़े स्टार्स थे। सोनू ने नंदिनी की भूमिका में फैंस का दिल जीत लिया था। सोनू वालिया की कहानी इस फिल्म से भी पहले शुरू हो गई थी। 19 फरवरी, 1964 में जन्मीं सोनू ने 1985 में मिस इंडिया का खिताब जीता, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि थी। पंजाबी परिवार में जन्मीं संजीत कौर वालिया उर्फ सोनू के पिता सतिंदर सिंह वालिया भारतीय सेना में कार्यरत थे, जबकि उनकी मां दमनजीत कौर हाउस वाइफ थीं। सोनू के करियर की शुरुआत औसत और फिर हिट फिल्मों के साथ हुई, लेकिन फिर ऐसा समय आया, जब अमिताभ बच्चन के साथ 'तूफान' में काम करके भी उनका करियर नहीं बचा और बाकी की कसर उनकी हाइट ने पूरी कर दी। सोनू ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि जब इंडस्ट्री में खान की एंट्री हुई थी, तो उनके लिए काम मिल पाना मुश्किल था। अभिनेत्री पहले अमिताभ, शत्रुघ्न सिन्हा, धर्मेंद्र, सनी देओल, विनोद खन्ना, और कबीर बेदी जैसे लंबे स्टार्स के साथ काम कर चुकी थीं और लंबाई कभी उनके लिए परेशानी नहीं बनी, लेकिन खान्स के आने के बाद फिल्में मिलना कम हो गया। हालांकि अभिनेत्री ने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'दिल आशना है' में काम किया था।

बहुत कम लोग जानते हैं कि सोनू वालिया ने 'खून भरी मांग' से हिंदी सिनेमा में कदम नहीं रखा, बल्कि उससे पहले उनकी एक फिल्म रिलीज हो चुकी थी और दूसरी की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

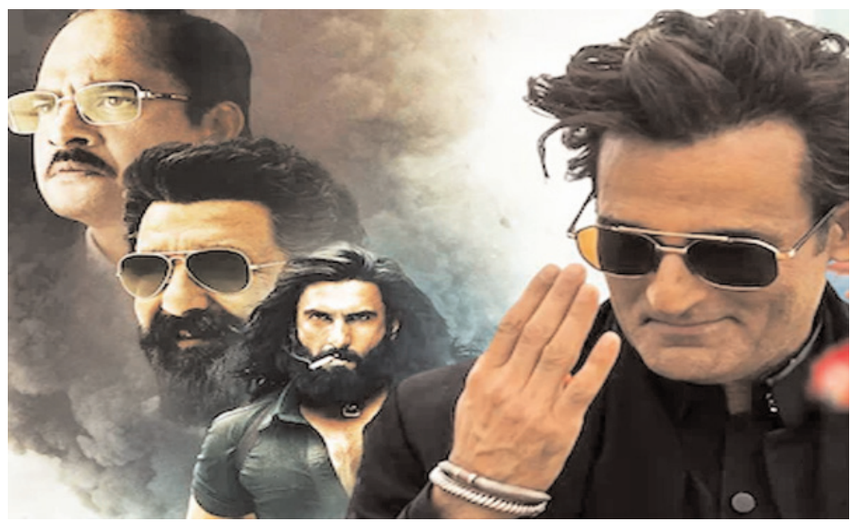

'धुरंधर 2' शूटिंग में नियम तोड़ने पर बीएमसी सख्त

मुंबई/एजेन्सी

आदित्य धर की मोस्टअवेटेड स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' (धुरंधर 2) की शूटिंग के दौरान सुरक्षा नियमों के बार-बार उल्लंघन के आरोप में बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। आदित्य धर की प्रोडक्शन कंपनी बी62 स्टूडियोज को ब्लैकलिस्ट करने की सिफारिश की गई है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक रूप से ब्लैकलिस्ट नहीं किया गया है, लेकिन प्रस्ताव को आगे की कार्रवाई के लिए मंजूरी मिल चुकी है। इसके लिए बीएमसी के ए-वार्ड कार्यालय ने डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर (डीएमसी) को पत्र लिखकर स्टूडियो पर राज्य के सिंगल-विंडो फिल्मिंग पोर्टल के माध्यम से शूटिंग पर स्थायी रोक लगाने का प्रस्ताव दिया है। आरोप हैं कि 'धुरंधर 2' की शूटिंग के दौरान कई बार नियम तोड़े गए। जानकारी के अनुसार, हाई-सिक्योरिटी जोन में जलती हुई मशालों का इस्तेमाल किया गया, जिसे गंभीर सुरक्षा चूक माना गया। मुंबई पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और उपकरण जब्त कर लिए गए। इसके अलावा, क्रू मेंबर्स ने बिना अनुमति लोकेशन बदली और एक इमारत की छत पर शूटिंग की, जहां के लिए नगर निगम की जरूरी परमिशन नहीं ली गई थी। इसके अलावा, सेट पर खाना बनाने के लिए गैस का इस्तेमाल और दो जेनरेटर वैन चलाने का भी आरोप है, जिनके लिए स्थानीय प्रशासन से वैध मंजूरी नहीं थी।

बीएमसी ने पहले ही प्रोडक्शन की 25 हजार रुपए की सिक्योरिटी डिपॉजिट जब्त कर ली है और अतिरिक्त 1 लाख का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव रखा है। 'धुरंधर 2' (धुरंधर: द रिवेंज) साल 2025 में रिलीज ब्लॉकबस्टर 'धुरंधर' की सीक्वल है। आदित्य धर लिखित, निर्देशित और सह-निर्मित यह फिल्म जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है। फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं, जबकि संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, राकेश बेदी सहित कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में शामिल हैं। यह स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म 19 मार्च को थिएटर्स में रिलीज होगी, यह न केवल हिंदी बल्कि तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में पैन-इंडिया रिलीज होगी।

स्वागत

भारतीय जनता पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट नितिन नबीन का बुधवार को डिब्रूगढ़ एयरपोर्ट पर पहुंचने पर असम भारतीय जनता पार्टी के प्रेसिडेंट दिलीप सैकिया ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

शिवांगी ने पर्दे पर निभाया विधवा का चुनौतीपूर्ण किरदार, बोलीं- सादगी में भी सुंदरता

मुंबई/एजेन्सी

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री शिवांगी वर्मा वेब सीरीज 'हसरतें सीजन 3' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में सीरीज में अपने किरदार को लेकर बातें कीं। अभिनेत्री ने कहा, यह सीरीज बहुत पॉपुलर है। मैं हमेशा से ही इसकी फैन रही हूं और मुझे 'सीजन 3' में काम करने का मौका मिला। इसके लिए मैं मेकर्स की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे चुना और काबिल समझा।

अभिनेत्री के एपिसोड का नाम 'मिडनाइट ब्राइड' है। इसमें शिवांगी ने एक विधवा का किरदार निभाया है। उन्होंने बताया कि यह रोल उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, असल जिंदगी में मैं काफी मॉडर्न और फैशनेबल हूं, लेकिन मेरा किरदार एक विधवा का है। समाज में विधवाओं को मेकअप न करने, रंग-बिरंगे कपड़े न पहनने और साधारण रहने की उम्मीद की जाती है। इस रोल को निभाते हुए मुझे पता चला कि सादगी में भी सुंदरता होती है और मैंने सोचा था कि अगर मेकर्स ने मुझे चुना है, तो इसमें अपना बेस्ट दूंगी। हालांकि, शूटिंग खत्म होने के बाद मुझे हर तरफ से खूब सराहना मिली थी। शिवांगी अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहती हैं। वे हमेशा अच्छी स्टोरीलाइन पर ध्यान देती हैं।

उन्होंने बताया कि अगर कहानी इमोशनल है, तो वे और सारी चीजें भूल जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर स्टोरी अच्छी है और एक्टर के तौर पर मुझे मौका मिल रहा है, तो मैं पूरा जोर लगाकर अच्छा परफॉर्म करती हूं। मैं महिला केंद्रित किरदारों को करने के लिए हमेशा तैयार हूं, क्योंकि ऐसे किरदारों में महिलाओं के अलग-अलग रूप दिखते हैं और काम करने में बहुत मजा आता है। उन्होंने बताया, मुझे रोमांटिक थ्रिलर करने की बहुत इच्छा है। अगर कोई अच्छी रोमांटिक थ्रिलर स्टोरी आए या फिर कोई बायोपिक, तो जरूर करना चाहूंगी।

नितिन गडकरी ने की 'शतक' देखने की अपील, बोले-संघ की सच्चाई जानने के लिए जरूरी

नई दिल्ली/एजेन्सी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्षों की यात्रा पर बनी फिल्म 'शतक: संघ के 100 वर्ष' को लेकर बयान दिया। गडकरी का कहना है कि पिछले एक शतक में संघ की छवि और उसकी असल हकीकत के बीच जो अंतर बना रहा, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इस फिल्म के जरिए लोगों को सच्चाई समझने का अवसर मिलेगा।

'शतक द फिल्म' नाम के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी एक वीडियो संदेश में नितिन गडकरी ने आम लोगों से इस फिल्म को देखने की अपील की है। उन्होंने कहा, ''एक स्वयंसेवक के रूप में मैंने यह महसूस किया है कि संघ को लेकर समाज में कई तरह की धारणाएं बनाई गईं, जो जमीन पर किए गए काम से मेल नहीं खातीं। संघ का वास्तविक स्वरूप त्याग, सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसे अक्सर गलत नजरिए से देखा गया।'' गडकरी ने कहा, ''संघ की विचारधारा को समझने के लिए उसके काम को समझना जरूरी है। आदिवासी इलाकों में सेवा कार्य, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, सहकारी संस्थाओं की मजबूती और सामाजिक जागरूकता जैसे कई काम ऐसे हैं, जिनमें संघ के लाखों स्वयंसेवकों ने बिना किसी स्वार्थ के योगदान दिया है। यही वो सच्चाई है, जिसे आम लोगों तक पहुंचाने की जरूरत है।''

गडकरी ने कहा, ''देश के विकास में संघ की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। बीते 100 वर्षों में संघ ने युवाओं के मन में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना जगाई है। मैं खुद भी उन स्वयंसेवकों में शामिल हूं, जिन्हें संघ से यह प्रेरणा मिली। अभी बहुत

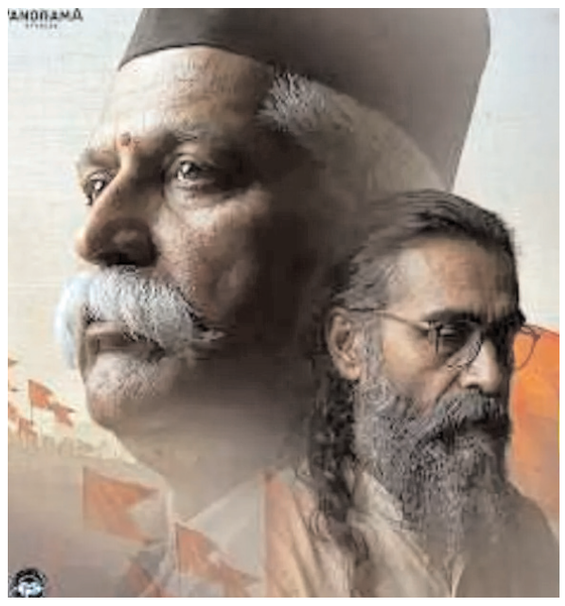

काम किया जाना बाकी है और भारत को हर क्षेत्र में आगे ले जाने का लक्ष्य सबको मिलकर हासिल करना होगा।'' अपने संदेश में नितिन गडकरी ने समाज के कमजोर वर्गों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, संघ दलितों, वंचितों और गरीबों के उत्थान के लिए लगातार काम कर रहा है। हिंदुत्व को गलत तरीके से समझा गया है। हिंदुत्व न तो जाति से जुड़ा है और न ही किसी एक धर्म से।

यह जीवन जीने का एक तरीका है, जो भारतीय संस्कृति, परंपरा और इतिहास से जुड़ा हुआ है। सभी धर्मों के लोग भारतीय हो सकते हैं और यही सोच संघ से मिली सबसे बड़ी प्रेरणा है। फिल्म 'शतक: संघ के 100 वर्ष' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इसी यात्रा को पर्दे पर दिखाने का प्रयास है।

यह फिल्म संघ की विचारधारा, उससे जुड़ी गलतफहमियों, सामाजिक कार्यों और सौ वर्षों के संघर्ष और योगदान को सामने लाती है। यह फिल्म 20 फरवरी को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अंतरराष्ट्रीय सिलम्बम प्रतियोगिता में जीता पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के केजी के छात्र भी किसी से कम नहीं है। गत 14 और 15 फरवरी को होसुर के अधियामान इंडोर स्टेडियम में आयोजित द्वितीय डबल्यूयूएसएफ सीलमबम विश्व कप 2026 और पारंपरिक सिलंबम महोत्सव 2026 प्रतियोगिता में यूकेजी के छात्र विद्युत ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत् प्रदर्शन कर तीसरा पुरस्कार जीत कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

इस प्रतियोगिता में भारत, स्विट्जरलैंड, सिंगापुर, श्रीलंका समेत 10 से भी अधिक देशों ने भाग लिया जिसमें डबल्यूयूएसएफ के उपाध्यक्ष माननीय मुख्य न्यायाधीश (स्वीटजरलैंड) गौरीदासन ने सभी विजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र भेंट कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस शानदार उपलब्धि के लिए विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया, सभी समिति सदस्यों, प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी, वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव, उप प्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन एवं शिक्षकगणों ने बधाई दी।

चिकित्सकों ने मुंबई की दृष्टिहीन स्त्रीरोग विशेषज्ञ की नेत्र ज्योति लौटाई, दुनिया की पहली ऐसी सर्जरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के नेत्र रोग विशेषज्ञों ने दुनिया की पहली ऐसी सर्जरी' करके मुंबई की 44 साल की एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ की आंखों की रोशनी लौटाई। अधिकारियों ने बुधवार को एक संवाददाता गोष्ठी में यह जानकारी दी। अस्पताल की एक विज्ञप्ति के अनुसार दोनों आंखों से दृष्टिहीन मरीज को एक ही सर्जरी के तुरंत बाद अपनी बाईं आंख में रोशनी वापस मिल गई। इस प्रक्रिया में एडवांस्ड 5एफ-आईएचएचएफ इंट्राऑक्युलर लेंस इम्प्लांटेशन तकनीक के साथ ऑप्टिकल पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी और स्ट्रक्चरल रिकंस्ट्रक्शन का इस्तेमाल किया गया था। ऑप्टिकल पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी एक पूरी मोटाई का कॉर्नियल प्रतिरोपण है जिसमें नजर वापस लाने के लिए खराब कॉर्निया को स्वस्थ ऊतकों से बदला जाता है।

गंभीर ग्लूकोमा और कई नेत्र संबंधी समस्याओं की वजह से मरीज की 10 साल से लगातार आंखों की रोशनी कम हो रही थी। इससे पहले कई सर्जरी करवाने के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ था। सर्जरी करने वाले डॉ. अग्रवाल्स आई अस्पताल के डॉ. सूसन जैकब ने कहा कि नजर जाने का सीधा कारण बाईं आंख में गलत जगह पर लगा आर्टिफिशियल लेंस था। उन्होंने कहा कि खराब लेंस आइरिस और कॉर्निया पर दबाव डाल रहा था, जिससे आंख की आगे की परतें आपस में जुड़ रही थीं। डॉ. जैकब द्वारा विकसित 5एफ-आईएसएचएफ तकनीक में नए इंट्राऑक्युलर लेंस को आंख में सही स्थान पर बिना टांके या बड़े चीरे के लगाया जाता है। चीफ क्लिनिकल ऑफिसर डॉ. अश्विन अग्रवाल ने कहा कि मामले की जटिलता को देखते हुए एक टिकाऊ, लंबे समय तक चलने वाला समाधान देने के लिए खराब आंखों की बनावट को बड़े पैमाने पर फिर से सही करने की ज़रूरत थी।

सूर्य मंदिर में ब्रह्मलीन संत माधवदास का 'निर्वाण दिवस' मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के आराध्य ब्रह्मलीन संत माधवदासजी महाराज की तेरहवीं पुण्यतिथि मंगलवार को जेपीनगर स्थित सूर्य मंदिर पर मनाई गई। इस मौके पर ब्रह्मलीन संत माधवदासजी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर एवं पुष्प अर्पित कर गुरुपूजा की गई। महिला मंडल की चंद्रा शर्मा एवं संतोष शर्मा के नेतृत्व में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। महिला मंडल द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में गणपति वंदना, गुरु वंदना, गुरु महिमा सहित भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर सत्यनारायण शर्मा, भंवरलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, पूरणचंद शर्मा सहित अनेक लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

लाभांश

बेंगलूरु में बुधवार को कर्नाटक रेशम उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में 30,34,78,500 रुपये का लाभांश का चेक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को सौंपा। इस संदर्भ में, पशुपालन और रेशम उत्पादन मंत्री के. वेंकटेश, कृषि मंत्री चालुवरयास्वामी, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, निगम अध्यक्ष और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या के अवसर पर मंगलवार को महावीर इंटरनेशनल द्वारा बेंगलूरु के सिटी मार्केट फ्लाईओवर के नीचे 35वां 'अन्नदान' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत 350 से लोगों को भोजन कराया गया। इस सेवा कार्य में अध्यक्ष विजयराज सिसोदिया, मुख्य सचिव आशिक पिरगल, कोषाध्यक्ष पदम भुरट, पूर्व अध्यक्ष भारती छाजेड़, सलाहकार कैलाश संकलेचा तथा दिव्या पिरगल ने सहयोग दिया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खतरगच्छ संघ और खतरगच्छ युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को कोयम्बटूर के आरएसपुरम् स्थित वेंकटस्वामी रोड पर सेवा भारती द्वारा संचालित सेवाश्रम ट्रस्ट आनम के बच्चों को रोजाना उपयोग में आने वाली जरूरी वस्तुएं और अन्नदान का सहयोग किया। साध्वी प्रियसोम्यांजनाश्रीजी के 33वें संयम दिवस के मौके पर संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गुलेच्छा, सचिव श्यामसुन्दर लुनिया, युवा परिषद के अध्यक्ष रवि गुलेच्छा अैर सचिव अंकित छाजेड़ आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 195 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जिले के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. अभिषेक नायर, डॉ. साईं तेजा तथा शिविर संयोजक विजयगंथ बीके ने गवरीदेवी- कानसिंह राजपुरोहित परिवार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में 195 लोगों की नेत्र जांच की। शिविर में बेंगलूरु, मैसूरु, मंडया व आसपास के लोग उपस्थित हुए। चिकित्सकिय परामर्श के बाद 69 लोगों को चिन्हित कर आंखों का ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय बस में रवाना किया था वे सभी रोगी बुधवार को नेत्रों की शल्य चिकित्सा कराकर वापस बन्नूर पहुंचे और सभी ने सहयोगी सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्रसिंह राजपुरोहित का उनके सहयोग देने के लिए सम्मान किया और उन्हें धन्यवाद दिया।

एक संयुक्त अभियान में भीख मांगने में लगे बच्चों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु शहर पुलिस और शहर की केंद्रीय अपराध शाखा की महिला एवं बाल संरक्षण इकाई, जो बेंगलूरु भर में बच्चों से भीख मंगवाने के सुनियोजित धंधे के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं, ने 14 फरवरी को शहर भर में चलाए गए एक विशेष अभियान में भीख मांगने में लिप्त 38 लड़कों और 20 लड़कियों सहित कुल 58 बच्चों को सफलतापूर्वक बचाया। सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

यदि जनता को भीख मांगने या बाल शोषण के किसी भी मामले के बारे में कोई शिकायत हो या उन्हें ऐसी कोई घटना देखने को मिले, तो वे टोल-फ्री चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर कॉल कर सकते हैं। बाल संरक्षण निदेशालय के निदेशक ने एक बयान में कहा कि विभाग के अधिकारी तुरंत कॉल का जवाब देंगे और बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्रवाई करेंगे।

सीएम कप

बेंगलूरु में बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आगामी 21 व 22 फरवरी को होने वाले सीएम बैडमिंटन टूर्नामेंट का लोगो जारी किया।

आईओबी ने मृत्यु दावा ऑनलाइन निपटान हेतु पोर्टल लॉन्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आइओबी), ने मृत्यु दावे के निपटान हेतु ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल परिवारों और कानूनी वारिसों के लिए डिजिटल तरीके से आसान और समय पर समाधान देगा। यह पहल बैंक के डिजिटल बदलाव में एक बड़ा कदम है जो दावा करने वालों के कठिन समय में प्रक्रियाओं के बोझ को कम करने पर केंद्रित होगा। बैंक द्वारा लॉन्च किया गया यह पोर्टल सुरक्षित, वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर डिज़ाइन किया गया है जहाँ दावा करने वाले घर बैठे आराम से निपटान प्रक्रिया शुरू और पूरा कर सकते हैं। दावा करने वाले आसानी से अपने विवरण के साथ मृतक ग्राहकों के खाते की जानकारी और सभी ज़रूरी दस्तावेज सीधे पोर्टल से अपलोड कर सकते हैं। निष्पक्षता पक्का करने के लिए पोर्टल में एक रियल-टाइम ट्रैकिंग सिस्टम है, जिससे दावा करने वाले हर स्टेज पर अपने आवेदन की सटीक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

शोकाकुल परिवारों के लिए आसान और बिना परेशानी वाला अनुभव प्रदान करने के लिए, बैंक ने 15 लाख तक के दावा के लिए एक आसान प्रक्रिया लागू किया है जिसमें खास तौर पर किसी तृतीय-पक्ष के जमानत की ज़रूरत नहीं है । इसके अलावा, बैंक यह सुनिश्चित करता है कि दावा 15 दिन की निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूरा हो जाए। नए पोर्टल लॉन्च के अवसर पर इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह पहल प्रौद्योगिकी को मानवीय जरूरतों के साथ जोड़ने की बैंक की कोशिश को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन मृत्यु दावा निपटान पोर्टल की शुरुआत आइओबी के सहृदय बैंकिंग की प्रतिबद्धता को दिखाती है, उन्होंने कहा कि मृतक के परिवारों को मुश्किल समय में प्रक्रिया से जुड़ी चुनौतियों और अनिश्चितताओं का सामना नहीं करना चाहिए यह पोर्टल कहीं से भी और कभी भी दावा निपटान करने के लिए एक पारदर्शी, आसान और समय निर्धारित व्यवस्था प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे डिजिटल सॉल्यूशन को लगातार नवोन्मेषी और विमोचित करके इण्डियन ओवरसीज़ बैंक का मकसद ग्राहकों के भरोसे को और गहरा करना रिश्तों को मजबूत करना और उनके अनुभव को बेहतर बनाना है।

लालबाग में आयोजित तेयुप हनुमंतनगर के 'वॉकथान' में दिखा युवाओं का जोश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर ने 'फिट युवा-हिट युवा' अभियान के अंतर्गत बुधवार को लालबाग गार्डन में वॉकथॉन का आयोजन किया। अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत के नेतृत्व में विनोद पावेचा ने प्रेक्षाध्यान योग का प्रशिक्षण दिया। इस वॉकथॉन में 50 से अधिक युवाओं ने 2 किलोमीटर की वॉक कर 'स्वस्थ भारत' का संदेश दिया। हनुमंतनगर परिषद के अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया।

इस मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी और महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा का सम्मान किया। इस कार्यक्रम में शाखा के प्रभारी आलोक छाजेड़, अभातेयुप सदस्य गौतम खाब्या, तेयुप गांधीनगर के अध्यक्ष प्रसन्न धोका, मंत्री प्रदीप चोपड़ा सहित हनुमंतनगर तेयुप के उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, राजीव हीरावत, सहमंत्री गौतम चावत व रक्षित लोढ़ा, कोषाध्यक्ष विजय कटारिया सहित अनेक संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। यह आयोजन केवल एक वॉकथॉन नहीं, बल्कि युवाओं के संकल्प और शक्ति का प्रदर्शन बन गया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री देवेन्द्र आंचलिया ने किया और अभियान प्रभारी अंकुश बैद ने धन्यवाद दिया।

ब्रिटेन छोड़ने पर लगी कानूनी रोक के कारण नहीं बता सकता कब भारत लौटूंगा : माल्या

मुंबई/भाषा। भारत में धोखाधड़ी और धनशोधन के कई मुकदमों का सामना कर रहा भगोड़ा कारोबारी विजय माल्या ने बुधवार को बंबई उच्च न्यायालय में दलील दी कि वह स्वदेश लौटने की समयसीमा नहीं बता सकता क्योंकि उसके ब्रिटेन छोड़ने पर वहां की अदालत ने कानूनी रोक लगाई है। माल्या ने अपने वकील अमित देसाई के माध्यम से उच्च न्यायालय को बताया कि उसका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया है, इसलिए उसके पास यात्रा के लिए यह महत्वपूर्ण दस्तावेज नहीं है। उसने कहा कि वह इस कारण से भारत लौटने की निश्चित तारीख नहीं बता सकता। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने पिछले सप्ताह कहा था कि जब तक माल्या भारत नहीं लौट आता, तब तक वह उसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने वाले आदेश के खिलाफ दाखिल उसकी याचिका पर सुनवाई नहीं करेगी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.